मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 72
भोपाल, मंगलवार
29 अप्रैल 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 निगम के अमले ने हटाए अतिक्रमण, ठेले, फ्रेम, टेबिल आदि...

आज होगा केकेआर और दिल्ली का मुकाबला 06

भारतीय परंपरा के अनुसार मंदिर परिसर के सातों शिखरों का सामूहिक पूजन और अभिषेक

अयोध्या में राममंदिर के शिखर पर लगाया गया 42 फीट ऊंचा ध्वजदंड, मंदिर की ऊंचाई 200 फीट पार

अयोध्या ■ एजेंसी

अयोध्या में मंगलवार सुबह वैशाख शुक्ल द्वितीया और परशुराम जयंती के अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर नया ध्वजदंड स्थापित किया गया। 42 फुट ऊंचे इस ध्वजदंड की स्थापना की प्रक्रिया सुबह 6:30 बजे शुरू हुई और लगभग 8 बजे तक पूरी कर ली गई। इसको स्थापित करने के दौरान कई वरिष्ठ इंजीनियर और मंदिर निर्माण में लगे शिल्पकार मौजूद रहे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि इस प्रतिष्ठा के बाद मंदिर का मुख्य शिखर और कलश सहित कुल ऊंचाई अब 200 फीट से भी अधिक हो चुकी है। यह ऐतिहासिक क्षण न केवल मंदिर निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए भी भावनात्मक गौरव का विषय बन गया है।

15 अप्रैल को श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में स्थित यात्री सुविधा केंद्र के पूर्वी प्रवेश द्वार पर संत तुलसीदास जी की प्रतिमा का विधिवत पूजन कर लोकार्पण किया गया। अब श्री राम लला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु, संत तुलसीदास जी की प्रतिमा के भी दर्शन कर सकेंगे। इससे एक दिन पहले, 14 अप्रैल को श्री राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह के मुख्य शिखर पर कलश पूजन की विधि के साथ कलश स्थापित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सीएम मोहन कल श्रमिक परिवारों के खातों में जारी करेंगे 600 करोड़

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अक्षय तृतीया के मौके पर श्रमिक परिवारों को राशि वितरित करने जा रहे है। कल बुधवार को सीएम धार जिले के उमरबन में संबल योजना में अनुग्रह सहायता के 27 हजार 523 प्रकरणों में राशि रूपये 600 करोड़ सिंगल क्लिक से वितरित करेंगे। प्रदेश सरकार द्वारा योजना प्रारंभ से अब तक 01 करोड 75 लाख श्रमिकों का संबल योजना के अंतर्गत पंजीयन किया गया है, पंजीयन प्रक्रिया जारी है। संबल योजना के अंतर्गत वर्ष 2018 से वर्तमान तक कुल 6 लाख 81 हजार से अधिक प्रकरणों में राशि रूपये 6 हजार 432 करोड से अधिक के हितलाभ का वितरण किया जा चुका है। इससे पहले सीएम यादव ने 28 मार्च को संबल योजना में अनुग्रह सहायता के 23 हजार 162 प्रकरणों में श्रमिक परिवारों के खाते में 505 करोड़ रूपये जारी किए थे।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का एक्स अकाउंट भारत में बंद

नई दिल्ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ का एक्स अकाउंट भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ख्वाजा लगातार जहर उगल रहे थे। वे भारत के खिलाफ भी अनरगल बयानबाजी कर रहे थे। ख्वाजा आसिफ ने भारत के सैन्य हमले के डर को भी कबूल किया था। कल कहा था कि भारत की तरफ से हमला तय है और यह करीब है। भारत के हमले के खतरे को देखते हुए उसने कहा था, हमने अपने सुरक्षाबलों को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

अंतर्मना उवाच

अलकनंदा, उत्तराखंड : प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

सब कुछ जानते हुये भी आप गलत को गलत नहीं कह पा रहे हैं..तो आप कभी अपने हक के लिये कुछ भी नहीं कर पाओगे..!

इसलिए एक-दो व्यक्ति अपने आसपास ऐसे रखो जो आपकी बुराई आपसे हक से कह सके और आप उन्हें सुनकर, सहन कर सकें। ***यदि गलती हो तो ठीक कर लो और गलत फ़हमी हो तो दूर कर दो।*** *इससे स्वयं और संबंधों को ज़्यादा फ़ायदा होगा, क्योंकि आज का सबसे कठिन काम है अपनी बुराई अपनों से सुनना और उसे सुधारना।* ***बुराई या कमी बताने वाला बिना पानी और बिना साबुन के हमारे स्वभाव को निर्मल बना रहा है।***

निंदा, बुराई, कमी बताने वाले दो प्रकार के हैं..!

- *एक वे – जो अच्छे के लिये, सुधार के लिए, हमारी प्रतिभा को निखारने के लिए कमी बताते हैं, वे हमारे हितैषी और अच्छा सोचने वाले व्यक्ति है।*
- *दूसरे वो – जो सिर्फ प्याज के छिलके निकालने का काम करते हैं। ऐसे व्यक्तियों से संभल कर रहना चाहिए, क्योंकि वे हर बात का छिद्रान्वेषण करते हैं और मनोबल को तोड़ते हैं। ऐसे व्यक्ति द्वेष, ईर्ष्या और घृणा से भरे होते हैं। जिनको दूसरों के गुण, अच्छाई, नाम, ख्याति, प्रशंसा, तप, साधना की ऊंचाई सहन नहीं हो पाती है, वे बुराई, कमी बताने पर ही आमदा रहते हैं। ऐसे लोगों से दूर रहना ही श्रेष्ठ है।*

निंदा, बुराई, कमी हमें हमारे व्यक्तित्व को निखारती है, परिमार्जन और परिष्कृत करती है। *इससे हम अपने जीवन में बेहतर की ओर अग्रसर होते हैं। इसलिए --* ***कभी भी निंदा, बुराई, कमी बताने वालों को अपना दुश्मन मत समझो बल्कि उनकी बातों को सुनकर उत्तेजित ना होकर अपने विवेक से निर्णय लें...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

सुरक्षा के लिहाज से सरकार का बड़ा फैसला

पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन बंद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रदेश में दर्जनों रिसॉर्ट और आधे से ज्यादा टूरिस्ट डेस्टिनेशन को बंद कर दिया है। शांत घाटियों और खूबसूरत पहाड़ों के लिए जाने जाने वाले केंद्र शासित प्रदेश में करीब 50 पर्यटन स्थल और ट्रैकिंग मार्गों को बंद कर दिया गया है। बडगाम में दूधपात्री और अनंतनाग में वेरीनाग जैसी कई टूरिस्ट प्लेस को भी लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। पर्यटन ही जम्मू-कश्मीर के स्थानीय लोगों की आय का एक बड़ा सोर्स है। हमले के बाद डरे हुए टूरिस्ट केंद्र शासित प्रदेश से भाग रहे हैं, जबकि कई यात्रियों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। एक हफ्ते पहले तक तो पहलगाम शहर में टूरिस्टों की संख्या काफी अच्छी थी। लेकिन अब धीरे-धीरे इस संख्या में भारी गिरावट आई है। स्थानीय लोगों को इस बात का भी डर सता रहा है कि पर्यटन में गिरावट के बाद उनकी इनकम पर काफी असर पड़ेगा। हालांकि, स्थानीय लोगों ने आतंकी हमले की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन भी किए हैं और पीड़ितों के साथ अपनी एकजुटता दिखाई है।

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

हमले में करीब 14 लोग घायल हुए हैं। इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पहले पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। हालांकि बाद में टीआरएफ ने सफाई दी थी कि हमले से हमारा कोई वास्ता नहीं हैं। इस हमले को अंजाम नहीं दिलाया। फरवरी, 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है। उस हमले में सीआरपीएफ के 47 जवान मारे गए थे।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी पाक की जमकर क्लास लगाई

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान की जमकर क्लास लगाई। ख्वाजा ने हाल ही में आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने और उन्हें धन मुहैया कराने की बात कबूल की थी। भारत ने इसे लेकर ही पड़ोसी मुल्क से कड़े सवाल किए और उसका वैश्विक मंच पर उसका नापाक चेहरा उजागर किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल ने कहा कि यह कबूलनामा चौंकाने वाला नहीं था। इसने पाकिस्तान को एक दुष्ट देश के रूप में उजागर किया है।

सुरक्षाकर्मियों ने कई जगह ली तलाशी

बैसरन में हाल ही में हुए हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने आतंकी नेटवर्क पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। श्रीनगर, डोडा और किश्तवाड़ में कई जगहों पर छापेमारी की गई। इसमें आतंकी संगठनों से जुड़े संदिग्ध लोगों को निशाना बनाया गया। इस अभियान के तहत कथित तौर पर आतंकियों से जुड़ी कई संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया। सुरक्षाकर्मियों ने घाटी में 600 से ज्यादा जगहों की तलाशी ली है और सैकड़ों संदिग्धों से पूछताछ की है।

जम्मू-कश्मीर के सीएम ने जताया दुख

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के स्पेशल सेशल में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि कहा कि कदुआ से लेकर कुपवाड़ा तक, ऐसा कोई शहर या गांव नहीं है जहां लोगों ने इसके खिलाफ प्रदर्शन न किया हो। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों से माफी मांगने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं।

पाकिस्तानी हैकरों का साइबर अटैक

राजस्थान शिक्षा विभाग समेत कई सरकारी वेबसाइटें निशाना बनीं

जयपुर ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बार यह संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहकर साइबर स्पेस में भी अपना रंग दिखा रहा है। इसी के चलते मंगलवार को पाकिस्तान समर्थित हैकरों ने राजस्थान सरकार की शिक्षा विभाग की वेबसाइट को हैक कर लिया। यह साइबर हमला केवल तकनीकी क्षति तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके जरिए भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थित संदेश भी सार्वजनिक किए गए।

आज सुबह राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर पाकिस्तानी हैकरों ने हमला कर दिया और वेबसाइट हैक करने के बाद उस पर पाकिस्तान साइबर फोर्स के नाम से एक आपत्तिजनक संदेश पोस्ट किया। इसमें पहलगाम हमले को अंदरूनी काम बताते हुए भारत सरकार पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया।

मां हिन्दुस्तानी- पिता पाकिस्तानी

मध्यप्रदेश में 9 बच्चों को लेकर दुविधा में अफसर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तानियों के देश छोड़ने के सख्त आदेश के बाद पाकिस्तानी पिताओं और भारतीय माताओं से पैदा हुए बच्चों को लेकर अफसर असमंजस की स्थिति में है। इस तरह के 9 बच्चे मध्य प्रदेश में है। केंद्र सरकार के आदेश से ठीक पहले 25 अप्रैल को भोपाल में लॉन्ग टर्म वीजा के लिए अप्लाई किया था। एक अधिकारी ने बताया, 'हमने भारतीय माताओं

और पाकिस्तानी पिताओं से जन्मे नौ बच्चों के बारे में केंद्र से सलाह मांगी है। चार बच्चे इंदौर में अपनी माताओं के पास हैं, तीन जबलपुर में और दो भोपाल में हैं। हमने उस शख्स के बारे में भी सलाह मांगी है जिसने 25 अप्रैल को एलटीवी के लिए आवेदन किया था।

सतना: थाने के बैरक में घुसे बदमाश ने हेड कांस्टेबल को मारी गोली, मचा हड़कंप

सतना। मऊगंज में पुलिस पार्टी पर हमले के करीब एक माह बाद अब सतना के जैतवारा थाना से पुलिस पर हमला का मामला सामने आया है। जहां एक बदमाश ने थाने में बैरक के अंदर घुसकर हेड कॉन्स्टेबल को गोली मार दी। जानकारी के मुताबिक, जैतवारा थाना के मुंशी प्रिंस गर्ग ड्यूटी के बाद खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक नकाबपोश बैरक में घुस गया, इससे पहले कि मुंशी कुछ समझ पाते बदमाश ने कट्टे से गोली चला दी। गोली पुलिसकर्मी के कंधे में लगी है, गोली मारने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गया। घायल हेड कॉन्स्टेबल को आनन फानन में उनके साथियों द्वारा इलाज के लिए सतना जिला अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। सतना जैतवारा थाना क्षेत्र के मेहुती गांव निवासी अच्छू उर्फ आदर्श शर्मा पर वारदात अंजाम देने का आरोप है। उधर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें जगह-जगह दबिश दे रही हैं।

पेगासस विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का नहीं होगा खुलासा

नई दिल्ली। पेगासस स्पाईवेयर के जरिए जासूसी से जुड़े केस में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अगर स्पाईवेयर का इस्तेमाल किया जा रहा है तो इसमें गलत क्या है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कह दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के मुद्दे पर पेगासस की कोई भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा, एक बात साफ कर दें कि स्पाईवेयर रखने में कोई परेशानी नहीं है। राष्ट्र की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं कर सकते। हां सवाल यह हो सकता है कि इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल सिविल सोसाइटी व्यक्ति के खिलाफ किया जा रहा है, तो मामले पर विचार किया जाएगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

बाबा साहेब के सम्मान अभियान के तहत संगोष्ठी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने आज इंदौर के रविन्द्र नाट्यगृह में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सम्मान अभियान के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट भी उपस्थित रहे।

पहलगाम हमले में पाकिस्तान के खिलाफ सबूत मिला

पाक सेना का पैरा कमांडो निकला नरसंहार में शामिल आतंकी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे भारत में गुस्सा है। हर कोई आतंक और इसके सरपरस्तों पर सख्त एक्शन की मांग कर रहा है। पहलगाम अटैक में भी पाकिस्तान का ही हाथ है। इस बात को वहां के हुक्मरान मान नहीं रहे लेकिन अब नापाक साजिश का बड़ा सबूत सामने आया है। पहलगाम अटैक में शामिल आतंकी हाशिम मूसा पाकिस्तान का पैरा कमांडो निकला है। पहलगाम हमले में पाकिस्तानी साजिश का सबसे बड़ा सबूत सामने आया है। इस हमले में पाकिस्तानी सेना, आईएसआई का हाथ होने के सबूत मिले हैं। हमले में शामिल हाशिम मूसा पाकिस्तानी सेना का कमांडो है। आतंकी मूसा पाकिस्तानी स्पेशल फोर्स का पूर्व पैरा कमांडो है। आतंकवादी मूसा लश्कर के साथ भी काम करता है। पाकिस्तानी फोर्स ने मूसा को स्स्त्र से लश्कर में भेजा था। मूसा पहलगाम से पहले दो टेरर अटैक में भी शामिल था। मूसा गांदरबल हमले में भी शामिल रह चुका है। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना का पूर्व पैरा कमांडो हाशिम मूसा आतंकी हमले में था शामिल। वह सैटेलाइट फोन पर इंस्ट्रक्शन ले रहा था।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर अब बेनकाब हो गए मूसा पहले जम्मू कश्मीर में हुए 2 टेरर अटैक में भी शामिल रहा

हाशिम मूसा को क्यों चुना गया?

पहलगाम हमले का मास्टर माइंड पाकिस्तान का पूर्व स्स्त्र कमांडर हाशिम मूसा है। मूसा अभी लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहा है। मूसा को पाकिस्तान के स्पेशल फोर्सेज ने लश्कर को सौंपा। इससे जिहादी संगठनों और पाकिस्तान के बीच साठगांठ का पता चलता है। पाकिस्तानी स्पेशल फोर्स के पैरा-कमांडो हाईली ट्रेंड होते हैं और यही वजह से पहलगाम जैसे हाई रिस्क ऑपरेशन के लिए पाक सेना के पैराकमांडो हाशिम मूसा को भेजा गया।

एसएसजी से लश्कर में भेजा गया था मूसा

खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी फोर्स ने हाशिम मूसा को एसएसजी से लश्कर में भेजा था। मूसा पहले जम्मू कश्मीर में हुए 2 टेरर अटैक में भी शामिल रहा है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर अब बेनकाब हो गए हैं। पाकिस्तान के हर झूठ का अब पर्दाफाश हो गया है। मूसा पहले पाकिस्तानी सेना में था। फिर लश्कर में जाने के बाद उसे जम्मू-कश्मीर भेजा गया।

सौरभ शर्मा के करीबी रहे इंस्पेक्टर समेत चार आरक्षकों को नोटिस जारी

ग्वालियर। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में उनके करीबी भी रडार पर आये है। इसी कड़ी में चेक पोस्टों पर तैनात रहे इंस्पेक्टर और चार आरक्षकों को लोकायुक्त पुलिस ने नोटिस जारी किया है। मामले में परिवहन इंस्पेक्टर किशोर सिंह बघेल, सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर वीरेश कुमार तुमराम सहित 4 आरक्षकों को नोटिस जारी किया है। सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित घर पर लोकायुक्त ने 9 दिसंबर 2024 को छापेमार कार्रवाई की थी। छापे के दौरान करोड़ों का कैश और सोना मिला था। आयकर विभाग की टीम ने एक लग्जरी कार से 11 करोड़ कैश और 52 किलो सोना बरामद किया था। जिसके बाद सियासत में भूचाल आ गया।

संक्षिप्त समाचार

सूरत में आईबी ने संदिग्ध 134 बांग्लादेशियों से की पूछताछ

सूरत। गुजरात सूरत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में मेगा सर्च अभियान चलाकर क्राइम ब्रांच ने 134 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़कर उन्हें सूरत शहर के रांदेर स्थित भिक्षु गृह में रखा है। इन सभी संदिग्ध लोगों से इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और पश्चिम बंगाल की खुफिया एजेंसी की टीम पूछताछ करने सोमवार को सूरत पहुंचीं। टीमों ने इन सभी की पहचान के लिए नंबर और टैग देकर पूछताछ शुरू की है। इसकी रिपोर्ट केन्द्रीय गृह मंत्रालय को सौंपी जाएगी। सूरत क्राइम ब्रांच के सूत्रों के मुताबिक संदिग्ध बांग्लादेशियों को दिए गए नंबर टैग एक प्रकार से पुलिस प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनी पुलिसकर्मियों को दिए जाते हैं। इस नंबर टैग के आधार पर सभी की पहचान कर उनसे सख्त पूछताछ की जा रही है। आईबी की अलग-अलग टीमें इनसे भिन्न-भिन्न तरीके से जानकारी इकट्ठी कर रही हैं। पहले एक बार में चार संदिग्धों से पूछताछ की जाती है, फिर उन्हें अलग-अलग बुलाकर पूछताछ होती है। इसके अलावा आईबी टीम सभी संदिग्धों से उनके पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज की जांच कर रही है। जांच के बाद उसकी रिपोर्ट भी बनाई जा रही है। सूत्रों का दावा है कि सूरत में केन्द्रीय टीम और बंगाल की टीम मिलाकर कुल 25 लोगों की टीम जांच में जुटी है। इसके अलावा सूरत शहर पुलिस भी चार अलग-अलग स्तर पर उनसे पूछताछ कर रही है। पूछताछ का केन्द्र बिन्दु सिर्फ संबंधित व्यक्ति तक सीमित नहीं होकर उनके सगे-संबंधी, अन्य शहरों में नेटवर्क, भारत में प्रवेश के मार्ग और तरीकों आदि तक रखा गया है।

श्रीलंका में हेरोइन की बड़ी खेप बरामद, आरोपित सात दिन की पुलिस हिरासत में

कोलंबो। श्रीलंका के वेलम्पिटिया पुलिस डिवीजन के मालाबे थाना इलाके के कोटिकावट्टा के नागहामुल्ला क्षेत्र में एक घर से मादक पदार्थो की बड़ी खेप बरामद की गई है। अदालत ने संदिग्ध आरोपित को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि कदवथा निवासी 27 वर्षीय व्यक्ति के घर पर मारे गए छापे में 13 किलोग्राम 372 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। डेली मिरर की खबर के अनुसार मालाबे पुलिस ने कहा कि इस घर से देश के हिस्सों में हेरोइन भेजी जाती थी। छापे के दौरान ट्रैवल बैग से मादक पदार्थ बरामद किया गया। इस संबंध में मोरिन नाम के ड्रग तस्कर का भी नाम सामने आया है। उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। संदिग्ध इमेश मदुशंका को कोलंबो के अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पवित्रा संजीवनी पथिराना के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने मदुशंका को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

भतीजे आकाश के बचाव में उतरीं मायावती, विपक्षी दलों को घेरा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता आकाश आंनद को पार्टी से बाहर निकालने, फिर उन्हें वापस लाने को लेकर विपक्षी दलों ने बसपा प्रमुख मायावती को घेरा है। इसको लेकर बसपा प्रमुख ने पलटवार करते हुए सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सोशल एक्स पर चार पोस्ट किए। उन्होंने पोस्ट के जरिए भाजपा, सपा समेत अन्य विरोधियों पर पार्टियों पर निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पोस्ट में लिखा कि डा. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के कारवां को सत्ता की मंज़िल तक पहुंचाने के लिए मिशन जारी है। इस कार्य में लगे बसपा में कार्यरत लोगों के आने-जाने में कुछ भी निजी नहीं, बल्कि यह पार्टी व मूवमेन्ट के हित पर पूर्णत: निर्भर है। कुछ लोग विरोधी पार्टियों के बहकावे में आकर अपनी ही पार्टी को कमजोर करने में लग जाते हैं। पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने व परिपक्वता के साथ कार्य ना करने के कारण तब उन्हें मजबूरी में पार्टी हित में निकालना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता को अपनी गलती का अहसास हो जाता है और माफी मांग लेता है तो उन्हें पार्टी में वापस ले लिया जाता है। वहीं कांग्रेस, बीजेपी व अन्य विरोधी पार्टियाँ इसे आया राम व गया राम की संज्ञा देकर, पार्टी की छवि को धूमिल करने की पूरी-पूरी कोशिश करती हैं।

पहली बार माना: रूस के लिए उ. कोरिया की सेना उतरी मैदान में

कीव। उत्तर कोरिया ने पहली बार कबूल किया कि किम जोंग-उन के आदेश पर उसके सैनिक रूस के कुर्स्क ओब्लास्त में लड़ रहे हैं। यह खुलासा तब हुआ, जब वेटिकन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की गुप्त मुलाकात ने दुनिया को चौंका दिया। ट्रंप ने रूस से हमले रोकने की मांग की है। वहीं रूस है कि वह ट्रंप की एक नहीं सुन रहा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना लगातार यूक्रेन पर हमला कर रही है। उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी ने खुलासा किया कि किम जोंग-उन ने 2024 में रूस के साथ हुए रणनीतिक समझौते के तहत सैनिक भेजे। किम ने अपने सैनिकों को 'मातृभूमि का गौरव' बताया और रूस के साथ गठजोड़ को 'शानदार' कहा। यूक्रेन का अनुमान है कि 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के लिए लड़ रहे हैं।

प्रतिभा, मिजाज और प्रौद्योगिकी की त्रिमूर्ति ही भारत के भविष्य को बदलेगी, पीएम नरेन्द्र मोदी का संदेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

युग्म सम्मेलन में अधिकारियों, उद्योग जगत के शीर्ष दिग्गजों और शैक्षणिक क्षेत्र के प्रणेताओं की भागीदारी में उच्च स्तरीय गोलमेज बैठकें और पैनल परिचर्चाएं, अनुसंधान के इस्तेमाल पर संवाद सत्र होंगे। डीप टेक स्टार्टअप शोकेस में देशभर से अत्याधुनिक नवाचार प्रदर्शित किए जाएंगे। सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विशेष नेटवर्किंग (विशेष संपर्क) के मौके भी मिलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नवाचार तंत्र में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित युग्म सम्मेलन का मंगलवार को शुभारंभ किया। राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया गया। युग्म सम्मेलन अपनी तरह का पहला महत्वपूर्ण नीतिगत सम्मेलन है। इसमें सरकार, शैक्षणिक क्षेत्र, उद्योग जगत और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित दिग्गज शामिल हो रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने गणमान्य अतिथियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ड्ढत्नरू इनोवेशन कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा, मिजाज और प्रौद्योगिकी की त्रिमूर्ति ही भारत के भविष्य को बदल देगी। इसके लिए हम भारत के बच्चों को बचपन में ही जरूरी एक पोस्टर दे रहे हैं। हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्षों की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। इसलिए ये जरुरी है कि हमारे विचार की प्रोटोटाइप से उत्पाद तक की यात्रा भी कम से कम समय में पूरी हो।

इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां सरकार, एकेडमी, साइंस और रिसर्च से जुड़े भिन्न भिन्न क्षेत्र के लोग इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। एक ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत के फ्यूचर टेक से जुड़े स्टेकहोल्डर्स एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। मुझे विश्वास है, हम जो भारत की इनोवेशन कैपेसिटी और डीप टेक में भारत की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, उसे इस आयोजन से बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए ये जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उनको भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। इसमें बड़ी भूमिका देश के एजुकेशन सिस्टम की भी होती है, इसलिए हम देश के एजुकेशन सिस्टम को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं। दीक्षा प्लेटफॉर्म के तहत वन नेशन, वन डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया गया है। यह पूरी तरह से एआई पर आधारित है। इसका इस्तेमाल देश की 30 से ज्यादा भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में टेक्स्टबुक तैयार करने में हो रहा है।

उन्होंने कहा, वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन ने युवाओं को ये भरोसा दिया है कि सरकार उनकी जरूरतों को समझती है। आज इस योजना की वजह से उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों की पहुंच विश्व स्तरीय शोध पत्रिकाएं तक आसान हो गई है। भारत के विश्वविद्यालय परिसर आज नए गतिशील केंद्र बन रहे हैं।

अहमदाबाद में चंदोला लेक इलाके में बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने से हाई कोर्ट ने किया इनकार

अहमदाबाद ■ एजेंसी

नगर निगम (एएमसी) ने मंगलवार को चंदोला झील के पास अवैध बस्तियों को ध्वस्त कर दिया। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) शरद सिंघल के अनुसार, अधिकांश बांग्लादेशी यहां रहते थे। इस बीच गुजरात हाईकोर्ट ने चंडोला तालाब में अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाई कोर्ट ने अतिक्रमणरोधी अभियान के खिलाफ दाखिल अर्जेन्ट अपील को भी खारिज कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, आज सुबह से शुरू हुई कार्रवाई में शहर के चंदोला झील क्षेत्र में अवैध झुग्गियों को ध्वस्त कर दिया गया है। इस अभियान के लिए अहमदाबाद नगर निगम प्रशासन के साथ-साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी तैनात किए गए थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व में अवैध रूप से रह रहे लोगों की गिरफ्तारी के बाद यहां ऑपरेशन क्लीन चंदोला चलाया गया था। पिछले कुछ वर्षों से अहमदाबाद की ऐतिहासिक धरोहर मानी जाने वाली चांदोला झील का पूरा भूगोल बदलने की कोशिश की जा रही है। मात्र 14 वर्षों में झील का पूरा नक्शा बदल गया है। वर्ष 2010 में चंदोला झील के आसपास की हरियाली और झील की जल भंडारण क्षमता अद्वितीय थी। लेकिन वर्ष 2025 में यानि 14 साल बाद यहां की तस्वीर बदल चुकी है। यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि वर्तमान में झील के आसपास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हो चुका है। यह बात कई बार सामने आ चुकी है कि चंदोला झील पर बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण किया गया है। बांग्लादेशियों ने बड़े पैमाने पर अवैध रूप से जमीन हड़प ली है। चंदोला झील बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए सबसे बड़ा आश्रय स्थल बन गया था। पिछले 14 वर्षों में चंदोला झील का आकार तेजी से कम हुआ है और इसके अंदर पक्के मकान, मस्जिदें और छोटी-छोटी फैक्ट्रियां बनने लगी थी।

चीन-अमेरिका के रुख को लेकर दिया बयान

खौफ में हैं पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी नेता पूरी तरह बौखलाए हुए नजर आ रहे हैं। भारत के सख्त रूख के बाद पाकिस्तान में डर का माहौल साफ नजर आ रहा है। हालात ये हैं कि, पाकिस्तान चीन के साथ अपने संबंधों की गहराई को टटोल रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी चीन को लेकर बयान दिया है। आसिफ ने कहा कि चीन ने हमेशा पाकिस्तान का सपोर्ट किया है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है, चीन की बड़ी अलग पोजीशन, कश्मीर का एक हिस्सा तो उनके पास भी है तो सारा ये जो कश्मीर का इश्यू है चीन भी इसमें एक स्टेक होल्डर है। सिंधु नदी चीन से भी होकर आती है, तिब्बत से आती है। पाकिस्तान को चीन ने हमेशा सपोर्ट किया है।

ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका के लेकर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी का पक्ष नहीं ले रहा है और अभी रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात नहीं हैं। वैसे देखा जाए तो पाकिस्तानी नेताओं को पता ही नहीं है वो कह क्या रहे हैं। हालात यह हैं कि बयान देने के बाद ये नेता अपनी कही हुई बात से ही पलटी मार रहे हैं। इनमें सबसे पहला नाम तो पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का आता है।

हाल ही में ख्वाजा आसिफ ने एक मीडिया संस्थान के साथ इंटरव्यू में कहा था कि भारत के साथ जंग निश्चित है। उन्होंने यह बात भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को देखते हुए यह बयान दिया था। अब ख्वाजा आसिफ ने पलटी मार ली है। जंग वाले बयान पर ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि उन्होंने इसकी संभावना बताई थी। यह नहीं कहा था कि जंग होने वाली है। हालांकि, उन्होंने इसके साथ यह भी माना है कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान की बीच बॉर्डर पर इस समय तनाव चरम पर है।

पाकिस्तान किस कदर डरा हुआ है इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वह बार-बार परमाणु हमले की धमकी दे रहा है। ख्वाजा आसिफ ने भी एक बार फिर परमाणु हथियारों का शिगूफा छोड़ा है और भारत पर परमाणु हमले की धमकी तक दे डाली है। ख्वाजा आसिफ ने कहा, अगर खुदा ना खास्ता पाकिस्तान के अस्तित्व पर खतरा मंडराया तो उनके पास परमाणु हमले का ऑप्शन खुला है।

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, हाल ही में ख्वाजा आसिफ के एक बयान का वीडियो सामने आया था उन्होंने खुद इस बात को स्वीकार किया था पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवादियों का समर्थन करता रहा है। एक पत्रकार के सवाल पर जवाब देते हुए आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान का आतंकी संगठनों को समर्थन देने, ट्रेनिंग देने और फंडिंग का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा था हम पिछले तीन दशकों से अमेरिका और पश्चिम, जिसमें ब्रिटेन भी शामिल है, के लिए यह गंदा काम करते आ रहे हैं।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव में अभाविप ने रचा इतिहास, संयुक्त सचिव पद पर शानदार जीत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने सोमवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) चुनाव में इतिहास रच दिया। अभाविप के उम्मीदवार वैभव मीणा ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय पैनल के संयुक्त सचिव पद पर शानदार जीत हासिल की।

इसके साथ ही 16 स्कूलों और विभिन्न संयुक्त केंद्रों के कुल 42 काउंसलर पदों में से 24 सीटों पर विजय हासिल कर अभाविप ने वर्षों से कायम वामपंथी प्रभुत्व को ध्वस्त करते हुए लाल दुर्ग में भगवा परचम फहरा दिया। संयुक्त सचिव पद पर विजय प्राप्त करने के साथ ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव के पदों पर भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कांटे की टक्कर दी। अंतिम चरण तक अभाविप के उम्मीदवार मजबूती से मुकाबले में बने रहे और वामपंथी गठबंधन के लिए गहरी चुनौती पेश करते रहे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि जेएनयू में राष्ट्रवाद की नई सुबह का प्रारंभ हुआ है। आज जेएनयू की पवित्र धरती पर इतिहास रचा गया है। अभाविप ने न केवल काउंसलर पदों पर शानदार विजय प्राप्त की है बल्कि केंद्रीय पैनल पर भी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के परिजनों ने एनएआई को सौंपे उनके निजी कागजात

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार वालों ने उनके कुछ जरूरी कागजात भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) को सौंपे। इनमें मूल पत्राचार, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, यात्रा रिपोर्ट और विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ-साथ संगठनों में डॉ कलाम द्वारा दिए गए व्याख्यान से जुड़े कागजात शामिल हैं।

दिल्ली स्थित एनएआई में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कलाम की भतीजी डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार और डॉ. कलाम के पोते एपीजेएमजे शेख सलीम ने पूर्व राष्ट्रपति के कुछ जरूरी कागजात एनएआई को सौंपें। इस मौके पर एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महानिदेशक सिंघल ने कहा कि अब आम लोग भी डॉ. कलाम के 1000 से अधिक भाषणों के संग्रह को देख और पढ़ सकेंगे। सभी कागजात का डिजिटलीकरण किया जाएगा। आने वाली पीढ़ी एनएआई के निजी संग्रह में जाकर डॉ. कलाम, महात्मा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चंद्रबोस द्वारा लिखे पत्र और दस्तावेज पढ़ सकती है। एनएआई के सहायक निदेशक डॉ. मानस मिश्रा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि आज औपचारिक तौर पर डॉ कलाम और एनएआई के बीच समझौता किया गया। इसके तहत परिवार वालों ने डॉ कलाम के निजी पत्राचार, भाषणों का संग्रह, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड को एनएआई को सौंपा।

इसके लिए एनएआई की टीम दिल्ली से रामेश्वरम डॉ. कलाम के घर पर उनके निजी पत्रों को लेने के लिए पहुंची थी। टीम में उनके साथ उपनिदेशक राजू सिंह और सहायक निदेशक डॉ. रिचा थे।

डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं पुतिन-जेलेंस्की दो सप्ताह में करें शांति समझौता

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की दो सप्ताह के भीतर शांति समझौता करें। हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि समझौते के लिए थोड़ा और समय स्वीकार्य हो सकता है। ट्रंप ने इससे पहले 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के अवसर पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी।

ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने से पहले न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में यह इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। अब देखना यह है कि अगले कुछ दिनों में क्या होता है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से बेहद निराश हैं कि रूस ने यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हैं। यह तब है, जब उन्होंने पुतिन से बातचीत जारी रहने के दौरान हमलों को रोकने का अनुरोध किया था। ट्रंप से पूछा गया कि जेलेंस्की ने किस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने और हथियारों की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पुतिन को गोलीबारी बंद कर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हालांकि यूक्रेन के लिए क्रीमिया में अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करना जटिल होगा। इस पर रूस का 2014 से कब्जा है। उन्होंने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को रूस को इस क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देने के लिए दोषी ठहराया। इससे पहले रविवार को विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप की जेलेंस्की से मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन समझौते के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका को यह सोचना होगा कि क्या वह मध्यस्थता करने के लिए आगे आए। रुबियो ने मीट द प्रेस के दौरान कहा कि उन्हें लगता है कि पिछले तीन सालों की तुलना में रूस और यूक्रेन आम तौर पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों से किया संवाद

बुआई पूर्व सभी केवीके और आईसीएआर किसान जागरूकता अभियान चलाएं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली में देशभर के सभी 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) से वर्चुअल संवाद किया। उनकी पहल पर आयोजित इस अभिनव संवाद कार्यक्रम में सभी केवीके के चल रहे प्रयासों, उनकी भूमिका और भावी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

इस दौरान शिवराज सिंह ने सभी केवीके से किसानोन्मुखी प्रयासों में तेजी लाने की बात कही। साथ ही कहा कि खेती-किसानी की उन्नति में केवीके सशक्त माध्यम के रूप में भूमिका निभाएं। केवीके कृषि में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं, इसलिए खरीफ की बुआई से पहले सभी केवीके और आईसीएआर राज्य सरकारों के साथ मिलकर किसान जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और किसानों के हितों के मद्देनजर उत्पादकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले केवीके को पुरस्कृत किए जाने के प्रस्ताव पर भी विचार हुआ। इस संवाद में देशभर के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुखों के साथ ही कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए, जिनमें से कुछ ने केवीके की उपलब्धियां बताईं और अपने सुझाव भी दिए। आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोधपुर (राजस्थान), अटारी हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), अटारी पटना (बिहार), अटारी जबलपुर (मध्य प्रदेश) के अलावा मंडी (हिमाचल प्रदेश), नंदूरबार (महाराष्ट्र), खुर्दा (ओडिशा), मोरीगांव (असम) और लक्षद्वीप के केवीके प्रमुखों ने अपने-अपने क्षेत्र विशेष के अनुसार अपने कामकाज, उपलब्धियों और भावी कार्य योजनाओं के बारे में केंद्रीय कृषि मंत्री को जानकारी दी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट और उप महानिदेशक (प्रसार) डॉ. राजबीर सिंह ने प्रारंभ में केवीके के संबंध में रूपरेखा बताई।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने की मुसीबत बढ़ी, एक और घोटाले में मुकदमा दर्ज

काठमांडू। जेल में बंद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की मुसीबत और बढ़ गई है। इस बीच उनके खिलाफ एक और को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला सामने आया है। इस पर सोमवार को मुकदमा दायर हुआ है। बीरगंज के पाइला को-ऑपरेटिव बैंक में 112 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाला सामने आने के बाद सरकार के तरफ से पर्सा जिला अदालत में रवि लामिछाने सहित 30 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्र ने कहा कि घोटाला को लेकर जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने सहित कुल 30 लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है।

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों के निर्माण कार्यों में गति लाएं। उन्होंने पौधरोपण के फेंसिंग कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। सोमवार को मंत्रालय स्थित कार्यालय में मंत्री पटेल ने विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अर्जुन नगर में मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्यों में बाधक 20 मकानों तथा करोंद क्षेत्र में 01 अवैध छज्जे को भी तोड़ा

निगम अमले ने हटाए अतिक्रमण, ठेले, फ्रेम, टेबिल आदि जप्त किए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए ठेले, लोहे का फ्रेम, टेबिल आदि जप्त किए तथा मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कार्य में बाधक अर्जुन नगर क्षेत्र के 20 मकानों को तोड़ा साथ ही भवन अनुज्ञा शाखा को सहयोग देते हुए करोद क्षेत्र में निर्मित अवैध छज्जे को भी तोड़ने की कार्यवाही की।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सोमवार को बरखेड़ा पठानी, अवधपुरी, इंद्रपुरी, अशोका गार्डन, ऐशबाग, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म क्र. 01, एम.पी.नगर जोन-01, कोलार रोड स्थित बीमा कुंज, सर्वधर्म कालोनी, अमरनाथ कालोनी, महाबलीपुरम, ललिता नगर, डीमार्ट, माता मंदिर, जवाहर चौक, रिवेरा टाउन, न्यू मार्केट, लिंक रोड नं. 01, 02 एवं 03, मालवीय नगर, बैरागढ़, मिनी मार्केट, मल्टी लेबिल पार्किंग, लालघाटी, विजय नगर, नारियलखेड़ा, शालीमार काम्प्लेक्स, जनता कालोनी आदि क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से रखी भवन निर्माण सामग्री, कबाड़े का सामान, अवैध शेड, पान पार्लर आदि को हटाते हुए 05 ठेले, 01 लोहे का फ्रेम, 01 टेबिल आदि जप्त की।

निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने अर्जुन नगर क्षेत्र में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कार्यों में बाधक 20 मकानों को तोड़ा तथा भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा की जा रही कार्यवाही में सहयोग करते हुए करोद क्षेत्र में आधार अस्पताल के समीप 01 मकान में अवैध रूप से निर्मित छज्जे को भी तोड़ा। निगम अमले ने पुनः अतिक्रमण न करने की समझाइश दी और चेतावनी भी दी यदि पुनः अतिक्रमण किया पाया जाता है तो और अधिक कठोर कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

ड्रायवर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, कारण अज्ञात

भोपाल। शहर के छोला मंदिर इलाके रहने वाले ड्रायवर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना पुलिस ने बताया की अक्षय लोधी पिता देवकी नन्दन लोधी (23) मूल रुप से विदिशा जिले का रहने वाला था। वह छोला मंदिर थाना क्षेत्र में रासलाखेड़ी में स्थित एक मकान में किराए से रहते हुए अशोका गार्डन स्थित इंडस्ट्रीयल एरिया में एक कारखाने में ड्रायवरी की नौकरी करता था। बीते दिन उसका भाई और मां विदिशा में एक पारिवारिक शादी में शामिल होने के लिये गए हुए थे। इसी दौरान रात के समय घर पर अकेले रहे अक्षय ने फांसी लगा ली। बाद में परिवार वाले जब घर पहुंचे तब हादसे की जानकारी लगी। मृतक के रिश्तेदार की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया। जॉच टीम ने बताया की मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से फिलहाल खुदकुशी का कारण साफ नहीं हो सका है। आगे की जॉच में परिजनो के बयान दर्ज किये जायेगें जिसके बाद ही आत्महत्या का कारण साफ हो सकेगा।

सोम कंपनी के कर्मचारी की अचानक तबियत बिगड़ी और हो गई मौत

भोपाल। कोहेफिजा थाना में काम से आये सोम कंपनी के एक कर्मचारी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। बताया गया है की हादसे के समय वह ड्यूटी पर था, और इलाके में कंपनी के काम के सिलसिले में आया था। यहॉ अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। पुलिस के अनुसार हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित अरेरा कॉलोनी में रहने वाला नीलेश मिश्रा पिता सालक राम सिंह (23) सोम कंपनी में नौकरी करता है। रविवार दोपहर वह ड्यूटी पर था, और काम के चलते लालघाटी में स्थित एक शराब दुकान पर आया हुआ था। यहॉ अचानक ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ डॉक्टरो ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

टीबी की बीमारी से पीड़ित युवक फंदे पर झूला

भोपाल। रातीबड़ थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है की मृतक टीबी की बीमारी से पीड़ित होने के कारण मानसिक तनाव में रह रहा था। पुलिस ने बताया की नीलबड़ में रहने वाला साहिल सेन पिता बलवीर सेन (24) औद्योगिक क्षेत्र में ड्रायवरी का काम करता था। उसके पिता बिट्टन मार्केट में मैकेनिक का काम करते हैं। घर में एक भाई भी है, जो पिता के साथ ही काम करने जाता है। इन दिनो उसकी मॉ रिश्तेदारी में गुजरात के बड़ौदा के पास अपने गांव गई हुई थी। बीते दिन पिता और भाई अपनी दुकान पर चले गए थे। सुबह करीब 11 बजे मां ने गांव से साहिल को फोन लगाया लेकिन न तो उसने फोन रिसीव किया और न ही वापस फोन लगाया। कई बार फोन लगाने के बाद में मॉ ने पड़ोसी को फोन कर बेटे को देखने के लिये कहा। पड़ोसी जब उसे देखने के लिये पहुंचा तो उसे दरवाजा अंदर से बंद मिला।

पति की मौत से दुखी पत्नि ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना इलाके में रहने वाली विधवा महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। बताया गया है, की महिला पति की मौत के बाद से काफी दुखी रहने लगी थी। मिली जानकारी के अनुसार 42 वर्षीय प्रेमाबाई कल्याणपुरा गांव में रहती थीं। घर में दो बेटे और उनके परिवार भी हैं। रविवार दोपहर घर के सभी लोग घर पर ही थे। इस दौरान प्रेमा बाई अपने कमरे में चली गईं। काफी देर तक जब वे वापस नहीं आईं तब बेटा उन्हें देखने के लिए कमरे में गया। वहॉ उसे मां का शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया।

500 शंकरदूतों का होगा दीक्षा संस्कार

ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में दो मई तक मनेगा एकात्म पर्व

भोपाल ■ अमृत दर्शन

खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में सोमवार 28 अप्रैल से दो मई तक पंच दिवसीय एकात्म पर्व मनाया जाना है। इस पर्व को आचार्य शंकर के प्रकटोत्सव के दौरान ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में मनाया जायेगा। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग मप्र शासन के द्वारा आचार्य शंकर की गुरु एवं संन्यास भूमि पर इस पर्व का शुभारंभ सोमवार सुबह सात बजे महर्षि सांदीपनि वेद विद्यापीठ एवं आर्ट ऑफ लिविंग गुरुकुल के आचार्यों के द्वारा वैदिक अनुष्ठान से किया गया।

भव्य शोभायात्रा नर्मदा स्थित अभय घाट से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए पुनः अभय घाट पर संपन्न होगी। वहीं इस पर्व के दौरान ओंकारेश्वर में अनेकों प्रकार के आयोजनों भी किये जायेंगे। जिनमें आचार्य शंकर के स्तोत्रों का गायन, वैदिक अनुष्ठान, शोभायात्रा, अद्वैत शारदा पुस्तकालय, अद्वैत लोक प्रदर्शनी और वेदांत-विज्ञान विषयक परिचर्चाएं प्रमुख रहेंगी।

सीएम के साथ ही कई सन्यासी और संत लेंगे भाग: वहीं इस आयोजन में अनेक संत-संन्यासियों की उपस्थिति भी रहने वाली है, जिनमें जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, इस्कॉन के गौरांग दास प्रभु, अखण्ड परम धाम के स्वामी परमानंद गिरि, स्वामी विदितात्मानंद सरस्वती, स्वामी मिथलेश नंदनी शरण, स्वामी प्रणव चैतन्य पुरी, और मां पूर्णप्रज्ञा सम्मिलित होंगे। इनके साथ ही विभिन्न सत्रों में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संस्कृति विभाग के राज्य मंत्री धर्मेंद्र लोधी, चिंतक मुकुल कानिटकर, लेखक नीलेश नीलकंठ ओक, प्रो. गौरी माहुलिकर, प्रो. पंकज जोशी, प्रो. रामनाथ झा, कैप्टन प्रवीण चतुर्वेदी, मृत्युंजय गुहा मजूमदार और विशाल चौरसिया जैसे प्रमुख वक्ता भी इस आयोजन में भाग लेंगे।

आकर्षण का केन्द्र बनेगा गायन एवं नृत्य

इस पांच दिवसीय एकात्म पर्व के अंतर्गत शंकर संगीत नामक सांगीतिक प्रस्तुति श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें आचार्य शंकर के स्तोत्रों व अद्वैत वेदांत पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत की जाएंगी। इस श्रृंखला में माधवी मधुकर झा, जयतीर्थ मेवुंडी, लोकमाता विद्याशंकर और सुधा रघुरामन जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। वहीं एक मई को शंकरदूतों द्वारा आचार्य शंकर विरचित स्तोत्रों का सामूहिक गायन किया जाएगा, जिसके बाद 2 मई को प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना लता मुंशी द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

2 मई को आचार्य शंकर प्रकटोत्सव मनाया जाएगा

वहीं इस आयोजन को लेकर समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि, पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 2 मई को आचार्य शंकर प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर 500 शंकरदूतों का दीक्षा संस्कार अभय घाट पर संतों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा। पर्व के समापन दिवस पर प्रातः काल में विद्वानों का अलंकरण किया जाएगा, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान शाम 5 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा नर्मदा घाट पर 10,000 दीपों का प्रज्ज्वलन और नर्मदा आरती का आयोजन किया जाएगा। ज्ञात हो कि ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास एवं संस्कृति विभाग, मप्र शासन द्वारा एकात्म धाम प्रकल्प के अंतर्गत 108 फीट ऊंची एकात्मता की मूर्ति का निर्माण किया जा चुका है तथा अद्वैत लोक संग्रहालय एवं अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

भाभा विश्वविद्यालय में पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भाभा विश्वविद्यालय में सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में शहीद हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संस्थान के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकत्र होकर गहन शोक और संवेदना व्यक्त की। भाभा विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलगुरु प्रो. एन के अग्रवाल ने गहन शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक हमला नहीं बल्कि मानवता पर एक गहरा प्रहार था। हम उन परिवारों के साथ खड़े हैं जिन्होंने इस हमले में अपने प्रियजनों को खोया है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे। श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित समस्त संकायगण, अधिकारिगण व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखा गया था और आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। सभी कर्मचारियों ने एकत्र होकर कैंडल मार्च भी निकाला गया।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर वृद्ध महिला को दी गई त्वरित चिकित्सा सहायता

रेलकर्मियों की सतर्कता से बची जान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के प्रति भारतीय रेलवे के निरंतर प्रयासों का एक और उदाहरण सामने आया। सोमवार रात लगभग 21:15 बजे, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा सूचना दी गई कि स्टेशन के नये भवन में टिकट बुकिंग कार्यालय के सामने एक लगभग 65 वर्षीय वृद्ध महिला अचेत अवस्था में पड़ी हुई है।

स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए तत्काल उप स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) आनंद कृष्ण मिश्रा ने प्लेटफॉर्म संख्या एक पर स्थित इमरजेंसी मेडिकल रूम में ड्यूटी पर तैनात डॉ. नूर हसन से संपर्क किया। दोनों कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में महिला को तेज बुखार और बेहोशी की हालत में पाया गया। डॉ. नूर हसन महिला की नब्ज जांच ही रहे थे कि उसी दौरान उप स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एम्बुलेंस (108) को बुला लिया।

लगभग 21:35 बजे एम्बुलेंस स्टेशन पर पहुंच गई। यात्रियों और सफाई कर्मचारियों की मदद से वृद्ध महिला को एम्बुलेंस में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया। एम्बुलेंस में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों की सहायता से डॉ. नूर हसन ने महिला को तत्काल CPR (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रदान करने का प्रयास किया। इसके पश्चात महिला को हमीदिया अस्पताल भेजा गया, जहां उनका आगे का उपचार किया जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम में रेलकर्मियों की तत्परता, समर्पण और यात्रियों के प्रति संवेदनशीलता स्पष्ट रूप से देखने को मिली। रेलवे द्वारा प्रदत्त मेडिकल इमरजेंसी सुविधाओं और कर्मचारियों की सक्रियता के चलते एक अनमोल जीवन को बचाया जा सका, जो रेलवे के यात्रियों की सुरक्षा हेतु प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने इस संबंध में कहा कि भोपाल मंडल यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधा के लिए हमेशा तत्पर है। स्टेशन पर मेडिकल इमरजेंसी रूम, प्रशिक्षित चिकित्सक, 24×7 उपलब्ध एम्बुलेंस सेवा तथा सजग रेलकर्मी सुनिश्चित करते हैं कि आपातकालीन परिस्थितियों में यात्रियों को तुरंत सहायता प्रदान की जा सके। रेल परिवार के इस समर्पित प्रयास पर हमें गर्व है।

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श सम्पन्न

पत्रकारिता और सिनेमा सृजन का संसार है-कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी

- आज कंटेंट ही किंग है - संयुक्ता बनर्जी.
- पत्रकारिता में धैर्य एवं मनोबल बनाएं रखें - अंकित शर्मा.

भोपाल ■ अमृत दर्शन

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इस विमर्श की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय थे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा एवं सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु श्री तिवारी ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा। मुख्य वक्ता संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें। उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है। मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए।

प्रत्येक संभाग में लगेंगे कृषि मेले - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। मध्यप्रदेश कृषि आधारित प्रदेश है, यहां कृषि विकास दर भी बहुत अच्छी है। इसी के दृष्टिगत औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन के साथ-साथ हम कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेले प्रत्येक संभाग में कृषि मेले लगाए जाएंगे। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से होने वाले यह आयोजन उन्नत कृषि तकनीकों, खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों और कृषि में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित होंगे। आगामी 3 मई को मंदसौर जिले में वृहद कृषि मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें उन्नत कृषि यंत्र, बीजों के प्रकार, आधुनिकतम यंत्र, खेती की उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन होगा।

सीएम डैशबोर्ड से विभागों की निगरानी होगी आसान

कलेक्टरों की परफॉर्मेंस का मिलेगा लाइव अपडेट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में अब सरकारी योजनाओं की क्रियान्वयन में लापरवाही नहीं हो पाएगी। गुजरात वाला सीएम डैशबोर्ड, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पसंद आ गया है। अब इसके माध्यम से उन्हें प्रत्येक जिले के लाइव अपडेट मिलते रहेंगे। योजनाओं के प्रत्येक हितग्राही की डिटेल एंट्री मिलेगी। यानी अब कोई कलेक्टर लापरवाही नहीं कर पाएगा। सीएम डैशबोर्ड सबकी कलई खोल कर रख देगा। यानी कलेक्टरों की परफॉर्मेंस का लाइप अपडेट शासन और प्रशासन को मिलता रहेगा।

जानकारी के अनुसार समाधान ऑनलाइन में सीएम डैशबोर्ड से इस बार प्रदेशभर के कलेक्टरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार होगी। भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव खुद विभागों की समीक्षा करेंगे, जिसे देखते हुए जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तैयारियों में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह समीक्षा भोपाल में होगी, लिहाजा जिले के

कलेक्टर, एसपी ने डैशबोर्ड में दिए गए विभागों और योजनाओं के प्रभारी अधिकारियों को हिदायत दी है कि कहीं कोई गड़बड़ी हुई तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें। अधिकारियों के मुताबिक, यह पहली बार है जब डैशबोर्ड के माध्यम से जनता से सीधे जुड़े हुए विभाग और प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की जा रही है।

कामकाज को बेहतर बनाएगा सीएम डैशबोर्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भी कहना है कि सरकार के कामकाज को बेहतर बनाने और नागरिक सुविधा व जनसामान्य के जीवन स्तर में सुधार के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग का मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एक उत्कृष्ट उदाहरण है। गौरतलब है कि गत वर्ष नवंबर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधीनगर में गुजरात सीएम डैशबोर्ड की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया था तथा उसके संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-गवर्नेंस एप्लीकेशन, वेब सर्विसेज, कॉल सेंटर, ग्राम और तालुका स्तर से डाटा कलेक्शन, डाटा इंटीग्रेशन, डाटा वैलिडेशन, परफॉर्मेंस मेजरमेंट, फीडबैक सिस्टम और फीडबैक के आधार पर हितग्राही संतुष्टि से अवगत होने के लिए स्थापित व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की।

अब सरकारी योजनाओं की होगी लाइव ट्रैकिंग

उल्लेखनीय है कि सीएम डैशबोर्ड एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं और प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन में सहायक है। यह डैशबोर्ड राज्य के प्रशासन को पारदर्शी, प्रभावी और उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। डैशबोर्ड पर योजनाओं की निगरानी और उनकी प्रगति का आंकलन किया जाता है, इससे यह सुनिश्चित होता है कि योजनाएं समय पर और प्रभावी तरीके से लागू हो रही हैं।

शादी के चार महीने बाद ही नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल ■ अमृत दर्शन

ईंटखेड़ी थाना इलाके में शादी के चार महीने बाद ही नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार रायपुर, छत्तीसगढ़ की रहने वाली प्रियंका शर्मा (32) ने चार महीने पहले सुरेश ठाकुर से प्रैम-विवाह किया था। उसका पति सुरेश काम के चलते रायपुर गया हुआ है। घर में ही सुरेश के बड़े भाई नरेश और दिनेश ठाकुर थे। लेकिन उनके दिमागी हालत कमजोर है, वहीं सुरेश के पिता भोपाल में रहते थे। प्रियंका का अलग कमरा है, और वह रोजाना सुबह करीब 10 से 11 बजे तक सोकर उठती थी। बीती सुबह जब वह सोकर नहीं उठी तब 11 बजे सास ज्ञान बाई उसके कमरे के बाहर पहुंची तो उन्हें कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। ज्ञान बाई ने काफी आवाज लगाई लेकिन न तो प्रियंका ने कोई जवाब दिया और न ही दरवाजा खोला। सास को लगा कि बहु अभी सो रही होगी। करीब एक घंटे बाद भी जब प्रियंका का दरवाजा नहीं खुला तो तब ज्ञानबाई ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा तो भीतर प्रियंका का शरीर पंखे पर बने दुपट्टे से बने फांसी के फंदे पर लटका नजर आया।

अनमोल वचन

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
अमरीकी कहावत

सम्पादकीय

जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए थे वह पिछले 10 सालों में हो गया

वरिष्ठ पत्रकार राहुल देव की पीड़ा सोशल मीडिया में देखने को मिली। वर्तमान परिपेक्ष में जो हालात हैं। उसकी गहरी चिंता को उजागर करती है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बेरसन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद जिस प्रकार भारत में कुछ संगठनों ने नफरत और विभाजन का नैरेटिव खड़ा करना शुरू कर दिया है, उससे गृह युद्ध जैसी स्थितियां पैदा होने के अंदेशा होने लग गया है। जो सामाजिक असंवेदनशीलता का परिचायक है। जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, उसको देखते हुए देश के सामूहिक सोच और विवेक पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। उन्होंने पीड़ा व्यक्त करते हुए कड़े शब्दों में कहा, उनके बहुत से पूर्व मित्र अब धार्मिक भेदभाव को लेकर 'भेड़िए' बन गए हैं। कैसे प्रति हिंसा की आग में अपने ही अपनों को नोचने लगे हैं। इस सोच ने घर-घर में लोगों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। उनका यह आक्रोश व्यक्तिगत नहीं, बल्कि व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय चिंतन की अभिव्यक्ति है। पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत मे निर्मित हो रही हैं, उसको लेकर भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए, इस कठिन समय पर सामूहिक संयम और विवेक की सबसे अधिक जरूरत है। आतंकवादी हमलों का उद्देश्य केवल जान-माल की क्षति नहीं होता। आतंक का उद्देश्य केवल सत्ता तक पहुंचना भी नहीं होता है। आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है। इसे खुद पाकिस्तान बेहतर जानता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रयोजित आतंकवाद ने जिस तरह से धर्म पूछ कर निर्दोष लोगों की हत्या की है, वह निंदनीय है और सख्त से सख्त सजा की हकदार है। भारत में जिस तरह से पिछले कई वर्षों में मुस्लिम समुदाय को लेकर कुछ अतिवादी हिंदू संगठनों द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया गया है, वह पाकिस्तान जैसे देश के लिए एक हथियार बन गया है। भारत में यदि हिंदू-मुस्लिम के नाम से झगड़े होते हैं। गृह युद्ध जैसी स्थिति होती है। इसमें नुकसान भारत का ही होना है। पाकिस्तान जो चाहता था, वही भारत के हिंदूवादी संगठन कर रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों की यह सुनियोजित कोशिश थी। भारत के भीतर हिन्दू-मुस्लिम विभाजन को गहरा किया जाए। पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद जिस तरह की स्थितियां भारत मे निर्मित हो रही हैं, उसको लेकर भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए, इस कठिन समय पर सामूहिक संयम और विवेक की सबसे अधिक जरूरत है। आतंकवादी हमलों का उद्देश्य केवल जान-माल की क्षति नहीं होता। आतंक का उद्देश्य केवल सत्ता तक पहुंचना भी नहीं होता है। आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है।दुर्भाग्य से देश के भीतर कुछ तत्व पाकिस्तान की इस साजिश का आवेश में आकर या जानबूझकर हिस्सा बनते दिखाई दे रहे हैं। राहुल देव ने कहा पाकिस्तान ने जो चुनौती पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करके दी है, उसका मुकाबला हम पाकिस्तान के तरीके से नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा भारत के पढ़े-लिखे वर्ग में वही मानसिकता देखने को मिल रही है, जो तथाकथित राष्ट्रवाद की आड़ में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व भी इस ज़हर के खिलाफ मुखर नहीं हो रहे हैं, जिसके कारण और भी स्थिति भयावह हो रही है। जब समाज का पढ़ा-लिखा तबका और जिम्मेदार लोग ही भड़काऊ विचार विमर्श का हिस्सा बन जाएंगे, तब देश का भविष्य क्या होगा। भारत भी पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ा है। भारत में यह खतरा मंडराने लगा है। आज आवश्यकता है, हम सभी भारतवासी आतंकवाद का जवाब राष्ट्रीय एकजुटता से दें। भारत की ताकत, उसकी विविधता और सामाजिक सौहार्द्र में है। यदि हम आतंकियों के जाल में फंसकर एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हो जाएंगे, तो यह देश के दुश्मनों के मंसूबों को मजबूत करेगा। यह चेतावनी केवल शब्द नहीं है, यह समय की पुकार है। इस संकट के समय गुस्से को, विवेक से नियंत्रित करना होगा। नफरत के जाल में नहीं फंसना होगा।आतंकवाद सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का भी काम करता है। पाकिस्तान सीधे-सीधे कभी भारत से मुकाबला नहीं कर सकता है।दुर्भाग्य से देश के भीतर कुछ तत्व पाकिस्तान की इस साजिश का आवेश में आकर या जानबूझकर हिस्सा बनते दिखाई दे रहे हैं। हम सभी को यह याद रखना होगा, भारत तब तक अजेय रहेगा, जब तक हम भीतर से अखंड रहेंगें। जो काम भारत में अंग्रेज नहीं कर पाए थे। हिंदू मुस्लिम की एक जुटता से हम अंग्रेजों को भारत से भागने में कामयाब हो पाए थे। पिछले तीन-चार दशकों में हिंदू मुसलमान के बीच मतभेद पैदा कराके आज हम जिस तेजी से आगे बढ़ चले हैं, वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है। जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए थे। वह हमने स्वयं करके दिखा दिया है। सत्ता में बने रहने के लिए जिस तरह से आतंक का सहारा लिया जा रहा है। यह भारत के लिए बड़ी चुनौती है। नफरत की खेती भारत में सत्ता पाने के लिए शुरू हुई थी। वह चरम पर पहुंच गई है। इसका हश्र क्या होगा, इसको लेकर सभी ओर चिंता देखने को मिल रही है। इसके लिए अब जनता को स्वयं सामने आना पड़ेगा। अन्यथा हमें भी पाकिस्तान अथवा तालिबानी बनते देर नहीं लगेगी।

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

भारत-पाक़ के बीच तनाव चरम पर पहुंचा

भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है, जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर अब दुनियाँ के हर देश की ऐसी विचारधारा हो गई है कि,भारत अब दम रखता है, वैश्विक निर्णयों में हस्तक्षेप,अर्थव्यवस्था में दखल औरअंतरराष्ट्रीय मंचों पर दमक व विकसित देशोंमें पैठ के चलते पहलगाम हमले नें मानों सोए शेर को जगा दिया है, या यूं कहें कि दुश्मन ने मधुमक्खियां के छत्ते में हाथ डाला है तो अंजाम तो भुगतना पड़ेगा ही, हालांकि भारतीय फौजी नेता या विशेषज्ञों ने सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है परंतु मेरा मानना है कि बौद्धिक क्षमता में निपुण हर भारतीय अब समझ गया है कि सरकार अब पहलगाम हमले का जबरदस्त जवाब देने के मूड में है, क्योंकि हम देख रहे हैं कि सिंधु नदी जल, वीजा, वाघा बॉर्डर इत्यादि पर सख्त फैसलों के बाद जम्मू के अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को अलर्ट करना, भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है, जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है। चूँकि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत द्वारा पाक पर किसी सैन्य कार्रवाई या सर्जिकल स्ट्राइक की सुबसुबाहट हो रही है,पहलगाम हमले की जवाबीकार्रवाई पर सबकी नज़रें टिकी हुई है, तथा भारत-पाक ने सीमा पर तैनाती बढ़ाई है एवं केंद्र सरकार, विपक्ष, जम्मू कश्मीर सरकार, कश्मीरी आवाम हम साथ साथ हैं, वाली लाइन पर आ गए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंचा, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी, जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ, दवाइयां, उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी।

साथियों बात अगर हम सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी करने की करें तो, राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी की है। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की

आवाजाही से संबंधित किसी भी जानकारी का सीधा प्रसारण न किया जाए। दरअसल, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाओं को कवर करने को लेकर मीडिया पर सवाल उठ चुके हैं। ऐसे में प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही मीडिया को सतर्क कर दिया है और सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है,राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सुरक्षा संबंधी अभियानों से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी बरतें। मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संवेदनशील जानकारी का असावधानीपूर्वक प्रसारण राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पुलवामा हमले के दौरान कुछ मीडिया चैनलों द्वारा सुरक्षा बलों की तैनाती और उनके ठिकानों की विस्तृत जानकारी प्रसारित करने पर सवाल उठे थे। विशेषज्ञों और रक्षा विश्लेषकों ने तर्क दिया था कि ऐसी जानकारी आतंकवादी समूहों तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षा बलों के लिए जोखिम बढ़ जाता है।एडवाइजरी में कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार विमान अपहरण जैसी पिछली घटनाओं का हलवा दिया गया है।मंत्रालय की यह सलाह इन घटनाओं से सबक लेते हुए उठाया गया कदम माना जा रहा है। यह दिशानिर्देश न केवल रक्षा अभियानों की गोपनीयता सुनिश्चित करेगा, बल्कि जनता में अनावश्यक भय और अफवाहों को भी रोकेगा।मंत्रालय नेमीडिया से अपील की है कि वे केवल सत्यापित और प्रामाणिक जानकारी ही साझा करें। यह सलाह सोशल मीडिया उपयोग कर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो अक्सर अनजाने में संवेदनशील जानकारी साझा कर देते हैं। मंत्रालय ने सभी से जिम्मेदार और सुरक्षित सूचना प्रसार की अपील की है, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता न हो। देशहित में मीडिया चैनल लाइव कवरेज करते हुए सावधानी बरतें। एडवाइजरी में 8 निर्देश दिए गए हैं। (1) राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स को सलाह दी जाती है कि वे अत्यंत जिम्मेदारी के साथ काम करें और रक्षा व अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें। (2) विशेष रूप से-रक्षा अभियानों या बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार का रियल-टाइम कवरेज,लाइव प्रसारण,या सूत्रों परआधारित जानकारी का प्रकाशन नहीं किया जाना चाहिए, संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और इससे अभियानों की प्रभावशीलता और सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। (3) पिछले घटनाक्रमों ने जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को रेखांकित किया है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं के दौरान, अनियंत्रित कवरेज का राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। (4) मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और पर्सनल यूजर राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यहहमारी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी भी है कि हम अपनी कार्रवाइयों से जारी अभियानों या सुरक्षा बलों की सुरक्षा से समझौता न करें। (5) सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पहले ही सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6(1) (श्च) का पालन करने की सलाह दे चुका है। नियम 6(1) (श्च) कहता है कि, कोई भी कार्यक्रम केबल सेवा में प्रसारित नहीं किया जाएगा जिसमें किसी भी सुरक्षा बल द्वारा किए जा रहे किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान का लाइव कवरेज शामिल हो, जहां मीडिया कवरेज को केवल सरकार द्वारा नामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर ब्रीफिंग तक सीमित रखा जाएगा, जब तक कि ऐसा अभियान समाप्त नहीं हो जाता (6) यह ऐसा प्रसारण केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 का उल्लंघन है और इसके तहत कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है। इसलिए, सभी टीवी चैनलों को सलाह दी जाती है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान और सुरक्षा बलों की गतिविधियों का लाइव कवरेज न करें।

सनातन धर्म और अक्षय तृतीया

अष्ट चिरंजीवियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महर्षि परशुरामजी का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। इसीलिए अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री परशुराम जयन्ती मनाई जाती है। स्थान-स्थान पर चल समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी दिन श्री परशुरामजी के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं पर संस्मरणात्मक भाषण प्रसारित कर युवा पीढ़ी को महर्षि के विषय में अवगत करवाया जाता है।

डॉ श्रीमती शारदा मेहता

सनातन धर्म के तीज त्योहारों में अक्षय तृतीया का महत्व है। अष्ट चिरंजीवियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महर्षि परशुरामजी का जन्म अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। इसीलिए अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री परशुराम जयन्ती मनाई जाती है। स्थान-स्थान पर चल समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी दिन श्री परशुरामजी के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं पर संस्मरणात्मक भाषण प्रसारित कर युवा पीढ़ी को महर्षि के विषय में अवगत करवाया जाता है।

अक्षय तृतीया का दिन विशेष दान पुण्य का दिन है। इस दिन पितृ के निमित्त भी दान दिया जाता है-

एष धर्म घटो दत्रो ब्रह्म विष्णु शिवात्मकरू।
अस्य प्रदानात् तप्यन्त पितरोऽपि पितामहारू।।
(धर्म सिन्धु)

इस दिन खरबूजा, आम, पंखा, पानी से भरा कलश, शकर सत्तू, दक्षिणा सहित दान किया जाता है। ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ हो जाने से दान दी गई इन समस्त वस्तुओं का विशेष महत्व हो जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है।

इस पवित्र अवसर पर अबूझ मुहूर्त रहता है। अतरू कई समाज द्वारा सामूहिक विवाह, गृह प्रवेश मुंडन, यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन किया जाता है। यह एक प्रशंसनीय पहल है क्योंकि विवाह समारोह में धन का अपव्यय होता है। प्रतिस्पर्धात्मक आयोजन होने से फिजूल खर्च होता है। आलीशान होटलें और विशाल गार्डन जहाँ इव्हेन्ट मेनेजमेंट द्वारा विवाह समारोहों का आयोजन किया जाता है में अपनत्व का अभाव परिलक्षित होता है। आगन्तुक अतिथि अपने-अपने कक्ष में स्मार्ट फोन पर चर्चा में व्यस्त दिखाई देते हैं। संगीत निशा तथा प्री-वेडिंग कार्यक्रम भी प्रतिस्पर्धात्मक होते जा रहे हैं। अपनी क्षमता से अधिक नृत्य करने से कई प्रतियोगियों की जीवनलीला समाप्त हो जाती है, कुछ घायल भी हो जाते हैं। बारात के चल समारोह में नृत्य करते हुए आगे बढ़ना भी अत्यधिक चलन में है, जिससे सड़कों पर यातायात बाधित होता है। यह एक विचारणीय प्रश्न है जिसका निराकरण समाज के प्रबुद्धजनों को आपसी चर्चा के माध्यम से करना चाहिए। इन समारोहों में न्यूनता लाकर इनसे बचने वाली धनराशि को हम नव विवाहित दम्पति को उपहार स्वरूप दे दें तो उन्हें भविष्य में आवश्यकता के समय वे इसका सदुपयोग कर सकेंगे।

अक्षय तृतीया, वसन्त पंचमी, देवोत्थान एकादशी, देवशयनी एकादशी आदि ऐसी तिथियाँ हैं, जिन पर सामूहिक विवाह तथा उपनयन संस्कार का आयोजन कर कन्यादान का पुण्य अर्जित किया जा सकता है और एक बड़ी धनराशि का सदुपयोग नवयुगलों के लिए किया जा सकता है।

अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने वनवास के समय द्रौपदी को अक्षय पात्र भेंट किया था जो उन्हें सर्वदा उपयोग में आता था। एक बार दुर्वासा ऋषि अपने शिष्यों के साथ पांडवों से भेंट करने आए। अतिथि सत्कार के पश्चात् युधिष्ठिरजी ने उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया। द्रौपदी के लिये यह एक विपदा की घड़ी थी, क्योंकि अक्षय पात्र का भोजन समाप्त हो चुका था। उन्होंने श्रीकृष्ण से प्रार्थना की। तत्काल उन्हें चावल का एक कण अक्षय पात्र में दिखाई दिया। ऋषि दुर्वासा अपने शिष्यों के साथा नदी से स्नान कर वापस आए, तब तक सम्पूर्ण भोजन तैयार था। जब सभी ने अपनी क्षुधा पूर्ति की और आशीर्वाद देकर वहाँ से बिदा ली।

पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार पवित्र नदी गंगाजी का स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण अक्षय तृतीया के दिन ही हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र सुदामा भी अक्षय तृतीया के दिन ही द्वारिकापुरी में उनसे मिलने आए थे। श्रीकृष्ण ने उन्हें अक्षयदान दिया था जिसका सुदामाजी को ज्ञान नहीं था। कहा जाता है कि त्रेता युग का आरम्भ भी अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। हमारे सनातन धर्म में इतना अधिक महत्व रखने वाली अक्षय तृतीया के बारे में मत्स्य पुराण कहता है-

तृतीयां समभ्यर्च सोपवासो जनार्दनम्।
राजसूयफलं प्राप्य गतिमभ्या च विन्दन्ति।।
(मत्स्य पुराण अ. 65)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महान गणितज्ञ जूल्स हेनरी पोंकारे

संजय गोस्वामी

जूल्स हेनरी पोंकारे का जन्म 29 अप्रैल, 1854 को नैन्सी में हुआ था पोंकारे का परिवार पढ़ा लिखा और प्रसिद्ध था। उनके चचेरे भाई रेमंड फ्रांस के राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री थे, और उनके पिता लियोन नैन्सी विश्वविद्यालय में चिकित्सा के प्रोफेसर थे। उनकी बहन एलाइन ने अध्यात्मवादी दार्शनिक एमिल बुट्रोक्स से शादी की। पोंकारे ने पेरिस में खनन इंजीनियरिंग, गणित और भौतिकी का अध्ययन किया। 1881 से शुरू होकर, उन्होंने पेरिस विश्वविद्यालय में पढ़ाया। वहाँ उन्होंने भौतिक और प्रायोगिक यांत्रिकी, गणितीय भौतिकी और संभाव्यता के सिद्धांत, और आकाशीय यांत्रिकी और खगोल विज्ञान के अध्यक्षों का पद संभाला। अपने वैज्ञानिक करियर की शुरुआत में, 1879 के अपने डॉक्टरेट शोध प्रबंध में, पोंकारे ने अंतर समीकरणों द्वारा परिभाषित कार्यों के गुणों का अध्ययन करने का एक नया तरीका तैयार किया,पोंकारे एक विज्ञान और गणित के फ्रांसीसी दार्शनिक होने के साथ-साथ एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और गणितज्ञ भी थे। गणित की नींव में उन्होंने परम्परावाद के पक्ष में, औपचारिकता के विरुद्ध, तर्कवाद के विरुद्ध और कैंटर के अपने नए अनंत सेटों को मानवीय सोच से स्वतंत्र मानने के विरुद्ध तर्क दिया। पोंकारे ने गणित के लिए एक उचित रचनात्मक आधार में अंतर्ज्ञान की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया। उनका मानना ??था कि तर्क विश्लेषणात्मक सत्यों की एक प्रणाली थी, जबकि अंकगणित इन शब्दों के कांट के अर्थ में संश्लेषणात्मक और पूर्वोक्त था। गणितज्ञ प्रमाण की जाँच करने के लिए तर्क के तरीकों का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन उन्हें प्रमाण बनाने के लिए अंतर्ज्ञान का उपयोग करना चाहिए, उनका मानना था। उन्होंने कहा कि गैर-यूक्लिडियन ज्यामिति यूक्लिडियन ज्यामिति जितनी ही वैध हैं, क्योंकि सभी ज्यामिति परंपराएँ या छिपी हुई परिभाषाएँ हैं। हालाँकि सभी ज्यामितियाँ भौतिक स्थान के बारे में हैं, लेकिन एक ज्यामिति को दूसरों के ऊपर चुनना अर्थव्यवस्था और सरलता का मामला है, न कि झूठे लोगों के बीच सही को खोजने का मामला। पोंकारे के लिए, विज्ञान का उद्देश्य व्याख्या करने के बजाय भविष्यवाणी करना है। हालाँकि हर वैज्ञानिक सिद्धांत की अपनी भाषा या वाक्यविन्यास होता है, जिसे परंपरा के अनुसार चुना जाता है, लेकिन यह परंपरा का मामला नहीं है कि वैज्ञानिक कथन तथ्यों से सहमत नहीं होता प्रयोग आवश्यक होता है । उदाहरण के लिए गुरुत्वाकर्षण को न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के अनुसार परिभाषित किया जाए या नहीं, लेकिन यह सिद्धांत का मामला नहीं है कि गुरुत्वाकर्षण एक ऐसा बल है जो आकाशीय पिंडों पर कार्य करता है या ऐसा करने वाला एकमात्र बल है। इसलिए, पोंकारे का मानना ??था कि वैज्ञानिक नियम में परंपराएँ हैं लेकिन मनमाने नियम नहीं हैं किसी ठोस वैज्ञानिक आधार जरूर है । पोंकारे का वैज्ञानिक प्रेरण के बारे में एक विशेष रूप से दिलचस्प दृष्टिकोण था। उन्होंने कहा कि नियम अनुभव के प्रत्यक्ष सामान्यीकरण नहीं हैं; वे ग्राफ़ पर बिंदुओं का मात्र सारांश नहीं हैं। बल्कि, वैज्ञानिक नियम को कुछ प्रक्षेपित वक्र के रूप में घोषित करना होता है जो कमोबेश वक्र होता है और इसलिए उनमें से कुछ बिंदुओं को छोड़ के पहले और आखिरी बिंदु से जो नतीजा मिलता है उसे वैज्ञानिक सिद्धांत पर माना जाए । इस प्रकार एक वैज्ञानिक सिद्धांत अनुभव के डेटा द्वारा सीधे तौर पर गलत साबित नहीं होता है; इसके बजाय, मिथ्याकरण प्रक्रिया अधिक अप्रत्यक्ष होती है। उन्होंने न केवल ऐसे समीकरणों के अभिन्न भाग को निर्धारित करने के सवाल का हल किया, बल्कि इन कार्यों के सामान्य ज्यामितीय गुणों का अध्ययन करने वाले पहले व्यक्ति भी थे।

खास बात

काली पट्टी बांधकर मुसलमानो ने पढ़ी नमाज

पहलगाम में आतंकवादी हमले में 28 पर्यटकों की मौत हो गई है। इसकी प्रतिक्रिया भारत के कोने-कोने में हुई है. मुसलमानो ने भी खुलकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। घाटी में पूरा बाजार बंद करके वहां के मुसलमानो और पंडितों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया है। देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमानो ने घटना का विरोध किया। इसके साथ ही शुक्रवार को जुम्मे की नमाज काली पट्टी बांधकर मस्जिद के अंदर पढ़ी गई है। यह पहली बार हुआ है। जब हिंदू हो या मुसलमान, या किसी भी जाति समुदाय के लोग हों, सबने इस घटना के विरोध में एक जुटता दिखाई है। इसके कारण ना तो आतंकवादियों का मंसूबा पूरा हुआ। नाही भारत के अंदर हिंदू-मुसलमान करने वाले अलगाववादियों का मंसूबा पूरा हुआ।

भारत के मुसलमान को पाकिस्तान के बॉर्डर पर छोड़ दो

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा,हमारी प्रधानमंत्री से अपील है। पाकिस्तान की बॉर्डर खोल दो,और हिंदुस्तान के मुसलमानो को वहां छोड़ दो। हम साबित कर देंगे,देश के मुसलमान भारत के प्रति वफादार हैं। आतंक किसी देश का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। आतंकवादियों को सजा मिलनी ही चाहिए। मुसलमानो ने स्वतंत्रता आंदोलन में भी अपनी देशभक्ति प्रदर्शित की है। एक बार फिर बॉर्डर खोलो, देशभक्ति क्या होती है, यह हम बताएंगे।

घाटी में आतंकवादियों के घर पर बुलडोजर का आतंक

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद आतंकवादियों के घरों को तोड़ने सरकार ने बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के तीन दिन बाद सेना के बुलडोजर अनंतनाग, ब्रिजबेहरा एवं अन्य स्थानों पर जहां आतंकवादी होने का कोई भी सबूत मिलता है। वहां पर बुलडोजर की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। देखते ही देखते मकानों को ढहाया रहा है। बुलडोजर का जो खौफ अभी उत्तर प्रदेश में देखने को मिल रहा था। वही खौफ अब घाटी में देखने को मिल रहा है। यह अलग बात है कि जिन मकानों को तोड़ा गया है। वहां से किसी आतंकवादी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मकान टूटने से आतंकवादियों में दहशत फैलेगी। सरकार कुछ कर रही है, यह भी सभी को दिखेगा।

वीजा कैंसिल कर पाकिस्तान और बांग्लादेशियों की वापसी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ बैठक की है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के जिन नागरिकों को भारत मे वीजा दिए गए थे। उनके वीजा निरस्त कर उन्हें गिरफ्तार कर पाकिस्तान और बांग्लादेश की बॉर्डर पर छोड़ने के लिए फैसला किया गया है। गुजरात और मध्य प्रदेश में इसकी शुरुआत हो गई है। पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के जो नागरिक वीजा लेकर भारत आए थे। उन्हें पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। गुजरात में हिरासत में लेकर जुलूस निकालकर वापस भेजा जा रहा है। पाकिस्तान से जो हिंदू और सिंधी आए थे। उसके बारे में अभी तक सरकार ने स्पष्ट निर्देश नहीं दिए हैं। सरकार ने यह दिखा दिया है, जिस तरह से अमेरिका ने प्रवासियों को वापस भेजा था।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि दोइज, भौमवासरे, कृतिका नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, वालव करणे, वृष की चंद्रमा, चंद्रदर्शन मुर्हूत, परसराम जयंती, प्रदोष, व्यापार, त्रिपुस्कर योग 36/3 सर्वार्थ सिद्ध योग, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, अधिकारी, शासक-प्रशासक, धनी-मानी, योगी-भोगी, लकड़ी का व्यापारी होगा।

मेष राशि- तनाव, उदर रोग, मित्र-लाभ, राजभय तथा पारिवारिक समस्या उलझेंगी।

वृष राशि- सुख, मांगलिक कार्य होगा, विरोध, मामले-मुकदमे में जीत की संभावना है।

मिथुन राशि- असंगति, हानि, विरोध, भय, यात्रा में हानि, सामाजिक कार्यों में सावधानी बरतें।

कर्क राशि- भूमि-लाभ, स्त्री-सुख, कार्य-प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य होगा।

सिंह राशि- तनाव तथा श्वांस रोग से बचें, विरोधी चिन्ता, राजकार्य से लाभ होगा।

कन्या राशि- भूमिलाभ, स्त्री-सुख होगा, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य ही होगा।

तुला राशि- प्रगति, वाहन का भय, भूमि-लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य की योजना बनेगी।

वृश्चिक राशि- कार्यसिद्धी, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष, व्यय होगा, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि- यात्रा से हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय में कमी किन्तु कुछ व्यवस्था भी बनेगी।

मकर राशि- शुभ कार्य, वाहनभय, रोगभय, धार्मिक कार्य में मन लगेगा, कुछ अच्छे कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि- अभीष्ट-सिद्धी, राजभय, कार्यबाधा, राज-कार्य में रुकावट का अनुभव होगा।

मीन राशि- अल्प हानि, रोगभय, सम्पर्क लाभ, राजकार्य में विलम्ब व परेशानी अवश्य बनेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

29 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 119 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 17.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 18.47 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 15.54 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.20 बजे, कौलव 17.32 बजे तदनन्तर तैतिल 03.49 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 01.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 29'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872329
जूलियन दिन 2460794.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 30
विशेष परशुराम जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.25 बजे से
चंद्र	वृष में	मिथुन	08.23 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.36 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.53 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.04 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.15 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.30 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.46 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.51 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.37 बजे से
3.00 से 4.30		मीन	03.10 बजे से
बजे तक		मेष	04.41 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।
ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्या, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेयी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गई सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रृंगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।
उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।
स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अत: यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

संक्षिप्त समाचार

मयंक की वापसी अच्छी रही: जहीर

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटॉर जहीर खान ने कहा है कि चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव समय के साथ लय हासिल कर लेंगे। जहीर के अनुसार जैसे-जैसे वह मैच खेलेंगे वह पहले वाली रफ्तार भी हासिल कर लेंगे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मयंक एक साल से भी अधिक समय से खेल से दूर रहे हैं। गत वर्ष अक्टूबर में भारतीय टीम की ओर से टी20 प्रारूप में पदार्पण करने के बाद उन्हें पीठ और पैर की उंगलियों की चोट से गुजरना पड़ा है। मयंक ने गत दिवस मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में 40 रन देकर दो विकेट लेकर वापसी की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के अनुभवी बल्लेबाज खिलाड़ी रोहित शर्मा और कप्तान हार्दिक पंड्या के विकेट लिए।

सुपरजायंट्स को प्लेऑफ में पहुंचने अब जीतने होंगे चार में से तीन मैच

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के हाथों मिली हार के बाद अब लखनऊ सुपरजायंट्स टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। सुपरजायंट्स इस बार के बाद छठे नंबर पर खिसक गयी है। इस सत्र में अब तक उसे पांच हार मिली है। इसके अलावा उसका रनरेट भी -0.325 होने के कारण काफी नीचे चला गया है। ऐसे में अब उसे प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए चार में से कम से कम तीन मुकाबले जीतने होंगे। सुपरजायंट्स ने अपने शुरुआती 8 मैचों में से 5 में जीत हासिल की थी और ऐसे में 10 अंक के साथ ही वह शीर्ष 4 में थी और उसके प्लेऑफ की राज आसान नजर आ रही थी।

विराट ने राहुल के ही अंदाज में जश्न मनाया

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत के बाद उसी अंदाज में जश्न मनाया जिस प्रकार से राहुल ने एक सप्ताह पहले आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद मनाया था। आरसीबी ने अब दिल्ली के खिलाफ मैच 7 विकेट से जीता है। इस मैच में आरसीबी की टीम एक समय मुश्किल में थी पर इसके बाद कोहली ने क्रुणाल पंड्या के साथ साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी। विराट ने जीत के करीब पहुंचकर छक्का लगाने का प्रयास किया पर वह कैच हो गये। मैच समाप्त होने के बाद जब दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी आपस में बात कर रहे थे।

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपना स्थान पक्का करना चाहेगी

आज होगा केकेआर और दिल्ली का मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपना स्थान पक्का करना चाहेगी। दिल्ली के अभी 12 अंक है ओर वह अंकतालिका में चौथे नंबर पर है, वहीं केकेआर की टीम 7 अंक के साथ ही सातवें नंबर पर है। इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार है। दिल्ली की टीम इस मैच में एक बार फिर जीत हासिल कर पिछले चार मैच में से दो में मिली हार से उबरना चाहेगी। दिल्ली की टीम की बल्लेबाजी अच्छी है। उसके पास केएल राहुल जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। शीर्ष क्रम में अभिषेक पोरेल भी बल्लेबाजी कर रहे हैं। राहुल इस सत्र में दिल्ली के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं हालांकि पिछले मैच में वह स्पिनरों के खिलाफ विफल रहेहे। ऐसे में उन्हें इस मैच में केकेआर के सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की अनुभवी स्पिन जोड़ी से सतर्क रहना होगा।

दिल्ली को करुण नायर से भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान कप्तान अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क संभालेंगे। बीच के ओवरों में कुलदीप यादव पर बल्लेबाजों पर अंकुख लगाने की जिम्मेदारी रहेगी। दिल्ली को अपने क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ उसने कई अवसर छोड़े थे।

वहीं दूसरी ओर केकेआर के अभी सिर्फ सात अंक हैं और टीम तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। टीम अपने पिछले तीन मैच में जीत दर्ज करने में विफल रही है, जिसमें दो में उन्हें हार मिली और एक मैच का परिणाम नहीं निकला। केकेआर को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए यह मैच हर हाल में जीतना होगा। आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं रही है। उसकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ,सुनील नरेन और रहमानुल्लाह गुरबाज व अंगकृष रघुवंशी पर आधारित रही है। मध्यक्रम में वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह अब तक विफल रहे हैं। टीम की गेंदबाजी वरुण के अलावा नरेन व वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिज्वी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जाधव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पावेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसोदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोईन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकारिया।

19वीं आई.टी.सी. प्रीमियर लीग रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेन्ट का शुभारंभ

इन्दौर, निप्र। इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित की जा रही शिवांगी सरिया 19वीं आई.टी.सी. प्रीमियर लीग 2025 रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेन्ट का शुभारम्भ नगर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा व ऑल इंडिया टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उद्घाटन समारोह में सतीष रावत, टूर्नामेन्ट को-ऑर्डिनेटर, अनीष अग्रवाल, शरद वर्मा एवं प्रवीण सराफ भी उपस्थित थे। इस रात्रि?कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आयोजन 26 अप्रैल से 04 मई, 2025 तक होगा, जिसमे 12 टीमें भाग ले रहीं हैं। उद्घाटन समारोह से पूर्व उपस्थित सभी लोगों ने पहलगांम में हुए आतंकी हमले के विरोध में काली पट्टी बांधकर एवं 2 मिनिट का मौन रखकर सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजली अर्पित की।

13 स्वर्ण पदक अपने नाम किए

दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत का जलवा

काठमांडू, एजेंसी। टीम स्पर्धाओं में पृथा वर्तिकार, अनन्या चंदे, हार्दी पटेल और दीया ब्रम्हचारी ने नेपाल को 3-1 से हराकर अंडर-19 लड़कियों का स्वर्ण पदक जीता। प्रतीति पॉल, आरुषि नंदी, अद्विका अरवल और तन्मयी साहा ने अंडर-15 लड़कियों के वर्ग में श्रीलंका को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

भारत ने दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते। इस साल की युवा एशियाई चैंपियनशिप इस की क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता में रविवार को विभिन्न श्रेणियों में भारतीय खिलाड़ियों ने दबदबा बनाया।

भारतीय टीम ने अंडर-19 लड़कियों, अंडर-15 लड़कों और अंडर-15 लड़कियों के वर्ग में तीन स्वर्ण पदक जीते। भारतीय खिलाड़ियों ने अंडर-19 और अंडर-15 युगल और मिश्रित युगल स्पर्धाओं सहित सभी छह स्वर्ण भी पदक जीते। इसके अलावा भारत ने अंडर-19 लड़कों और लड़कियों के एकल मुकाबलों में चार स्वर्ण पदक हासिल किए।

टीम स्पर्धाओं में पृथा वर्तिकार, अनन्या चंदे, हार्दी पटेल और दीया ब्रम्हचारी ने नेपाल को 3-1 से हराकर अंडर-19 लड़कियों का स्वर्ण पदक जीता। प्रतीति पॉल, आरुषि नंदी, अद्विका अरवल और तन्मयी साहा ने अंडर-15 लड़कियों के वर्ग में श्रीलंका को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

अंडर-19 लड़कों के एकल फाइनल में कुशाल चोपड़ा ने साथी भारतीय आर बालामुरुगन को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता जिससे भारतीयों ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए। अंडर-19 लड़कियों के एकल में भी शीर्ष दो स्थान भारतीयों के नाम रहे जब अनन्या चंदे ने पृथा वर्तिकार को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

पाकिस्तान में होने वाले इस टूर्नामेंट से हटा भारत

एशियाई योगासन में भारत ने 83 स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते।

एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते। भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक समेत इस चैंपियनशिप में कुल 87 पदक अपने नाम किए। जापान तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। मंगोलिया, ओमान, नेपाल शीर्ष पांच में रहे। चैंपियनशिप में कुल 21 देशों ने शिरकत की, जिसमें उज्बेकिस्तान, थाईलैंड, कजाखस्तान भी शामिल हैं।

इस्लामाबाद में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप से हटा भारत: पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ (पीवीएफ) ने रविवार को कहा कि भारत ने अगले माह इस्लामाबाद में होने वाली मध्य एशियाई वॉलीबॉल प्रतियोगिता से अपना दल हटा लिया है।

पीवीएफ के अधिकारी अब्दुल अहद ने कहा कि भारत ने 28 मई से जिन्ना परिसर में शुरू होने वाली चैंपियनशिप के लिए 22 खिलाड़ियों सहित 30 सदस्यीय टीम भेजने की पुष्टि की थी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक शहीद हुए थे, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। अहद ने कहा, भारतीय वॉलीबॉल अधिकारियों ने क्षेत्रीय संस्था को सूचित किया है कि उनकी सरकार ने पहलगाम में हुई घटना के बाद टूर्नामेंट के लिए उन्हें जारी किए गए एनओसी को रद्द कर दिया है। भारत की जगह अब अफगानिस्तान या श्रीलंका की टीम भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में ईरान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की टीमें को हिस्सा लेना है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह बात कही

टैरिफ के तुलनात्मक मैट्रिक्स से भारत कई उत्पादों पर प्रतिस्पर्धा देने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वैश्विक टैरिफ माहौल के बावजूद भारत के अपने विशाल घरेलू बाजार, बड़े पैमाने पर लाभ और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के कारण प्रतिस्पर्धी बने रहने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों की तुलना में टैरिफ के तुलनात्मक मैट्रिक्स के नजरिए से भी देखा जाए तो भारत अधिक अनुकूल स्थिति में है।

पीटीआई को दिए गए एक हालिया साक्षात्कार में, संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (डीओएनईआर) सिंधिया ने कहा कि चूंकि अन्य देशों को भी अलग-अलग स्तर के टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए भारत संभवत: पहले की तुलना में कई उत्पादों के मामले में अधिक प्रतिस्पर्धी बनकर उभरेगा।

उन्होंने कहा कि आकर्षक घरेलू बाजार ने वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों को यहां महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित करने के लिए आकर्षित किया है। उन्होंने भारत की आर्थिक वृद्धि की मजबूत गति और विनिर्माण एवं नवाचार पर नई दिल्ली की नीति का हवाला दिया।

मंत्री ने कहा, इसलिए मेरा मानना है कि टैरिफ के मौजूदा माहौल के बावजूद, भारत प्रतिस्पर्धी बना रहेगा, क्योंकि उसके पास बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्थाएं हैं, क्योंकि नवाचार बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के साथ आता है, जिससे वह इतने बड़े बाजार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो जाता है। इसलिए, अन्य देशों की तुलना में भी, भारत प्रतिस्पर्धी बना रहेगा।

इंडसइंड बैंक को वित्त वर्ष 2025 में 1960 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका: इंडसइंड बैंक को वित्त वर्ष 2025 में 1960 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका है। रविवार को जारी एक बयान में बैंक ने कहा कि डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लेखांकन खामियों के कारण बैंक को वित्त वर्ष 2025 में 1,960 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। नियामकीय फाइलिंग में बैंक ने कहा है कि बाहरी लेखा परीक्षक ने 31 मार्च तक लाभ-हानि पर संचयी प्रतिकूल लेखांकन प्रभाव का आकलन किया। इसके मुताबिक बैंक को 1,959.98 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लेखांकन चूक का जिक्र कर बैंक ने कहा कि उसने 1 अप्रैल, 2024 से ही आंतरिक डेरिवेटिव ट्रेड बंद कर दिया है। बैंक ने कहा, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में आंतरिक डेरिवेटिव व्यापारों के गलत लेखांकन की पहचान की गई है। काल्पनिक लाभ दर्ज किया जाना लेखांकन विसंगति का मुख्य कारण है।

तेजी से बढ़ रही स्वामित्व वाली संपत्तियों की बिक्री: भारत में सेकंडरी रियल एस्टेट मार्केट ने काफी तेजी से विकास किया है।?रियल एस्टेट कंसल्टेंसी फर्म स्क्वायर यार्ड्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी हिस्सेदारी महामारी से पहले की अवधि के 38 फीसदी से बढ़कर बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 43 फीसदी पहुंच गई?है। वहीं, प्राइमरी मार्केट की हिस्सेदारी बढ़कर 57 फीसदी पहुंच गईहै। सेकंडरी रियल एस्टेट मार्केट से तात्पर्य उन संपत्तियों की खरीद और बिक्री से है, जो पहले से ही स्वामित्व में हैं या जिन पर कब्जा है। सेकंडरी संपत्तियों की संख्या 2018-19 के 1.22 से बढ़कर 2024-25 में 2.33 लाख इकाई पहुंच गई। यह रिपोर्ट देश के सात प्रमुख शहरों बंगलूरू, हैदराबाद, मुंबई, नवी मुंबई, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, पुणे और थाणे में मकानों की खरीद-बिक्री के आंकड़ों पर आधारित है।?

आरबीआई गवर्नर ने स्टार्टअप पर दिया जोर, कहा

युवा अब एमएनसी में नौकरी करने की जगह उद्यमी बनना कर रहे पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के कार्यक्रम में आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। अब भारत तेजी से नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वालों का देश बनता जा रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्टार्टअप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारत की युवा पीढ़ी की मानसिकता बदली है। अब युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में नौकरी की तलाश करने के बजाय उद्यमी बनना पसंद कर रहे हैं।

वॉशिंगटन डीसी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित अमेरिका-भारत आर्थिक मंच में अपने भाषण में गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जब मैंने कॉलेज छोड़ा तो एमएनसी में नौकरी करना मेरा पसंदीदा विकल्प था। किसी ने भी अपना खुद का उद्यम शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग और प्रबंधन स्नातक उद्यमिता और स्टार्ट-अप की ओर रुख कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उद्यमिता की इस बढ़ती संस्कृति ने भारत को एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में मदद की है। देश में लगभग 150,000 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप हैं, जिन्हें स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी सरकारी पहलों का समर्थन प्राप्त है।

आरबीआई गर्वनर ने कहा कि भारत में अब दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं, जिनमें से कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों से उभर रहे हैं। भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। यह 2015 के 81वें स्थान से चढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर आ गया है। निम्न-मध्यम आय वाले देशों में भारत अब पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि भारत तेजी से नौकरी चाहने वालों की बजाय नौकरी देने वालों का देश बनता जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधार से जोड़ने जैसी विभिन्न योजनाओं के डिजिटलीकरण से भारी बचत हुई है। राज्य सरकारों को समय पर धन मिलने से केंद्र सरकार को अपने नकदी प्रवाह को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में भी मदद मिली है।

भारत में एप डेवलपर्स की आय पांच साल में तीन गुना हुई

मुंबई। भारत में एप स्टोर इकोसिस्टम ने 2024 में डेवलपर बिलिंग और बिक्री में 44,447 करोड़ रुपए (5.31 बिलियन डॉलर) की सुविधा प्रदान की। इसकी जानकारी सोमवार को एक नई स्टडी से सामने आई है। स्टडी में सामने आया कि एप्पल को बिना कोई कमीशन दिए 94 प्रतिशत से अधिक का व्यापारिक लाभ केवल डेवलपर्स और विभिन्न आकार के कारोबार को मिला। कंपनी ने कहा, बीते पांच वर्षों में, भारत स्थित डेवलपर्स की वैश्विक आय तीन गुना हुई है, जो एप स्टोर द्वारा पेश किए जाने वाले जबरदस्त कारोबारी मौकों और वैश्विक पहुंच को दिखाता है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा, एप स्टोर भारत और दुनिया भर के डेवलपर्स के लिए एक आर्थिक चमत्कार रहा है और हम उनके काम को सपोर्ट करने के लिए बेहद खुश हैं।

भारत में एप्पल ऐप स्टोर ने 2024 में बिलिंग व बिक्री से कमाया मुनाफा

नई दिल्ली। भारत में एप्पल ऐप स्टोर परिवेश ने 2024 में डेवलपर बिलिंग और बिक्री से 44,447 करोड़ रुपये (5.31 अरब अमेरिकी डॉलर) अर्जित किए। कंपनी ने सोमवार को जारी एक नए अध्ययन में यह बात कही। भारतीय प्रबंधन संस्थान (अहमदाबाद) के एक प्रोफेसर द्वारा किए गए अध्ययन में सामने आया कि 4 प्रतिशत से अधिक राजस्व केवल डेवलपर और व्यवसायों से हासिल हुआ। इसमें एप्पल को कोई कमीशन नहीं दिया गया। अध्ययन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में भारत स्थित डेवलपर की वैश्विक आय तीन गुना बढ़ी है, जो ऐप स्टोर द्वारा प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त व्यावसायिक अवसर व वैश्विक पहुंच को उजागर करती है। ऐप्पल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ऐप स्टोर भारत और दुनिया भर के डेवलपर के लिए एक आर्थिक चमत्कार रहा है और हम उनके काम का समर्थन करने को उत्साहित हैं।

सीमा ट्रेड युद्ध: चीन के नेताओं ने कमजोर किया ट्रंप का प्रभाव

बीजिंग। चीन के नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के संभावित प्रभाव को कमतर आंकते हुए कहा कि उनके पास नौकरियों की रक्षा करने और चीनी निर्यात पर उच्च शुल्क से होने वाले नुकसान को सीमित करने की क्षमता है। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन किए। इनमें की गईं बातों से प्रतीत होता है कि सरकार का मकसद कंपनियों तथा बेरोजगारों का समर्थन करना, आसान ऋण शर्तों और चीन से अमेरिकी आयात पर 145 प्रतिशत तक के शुल्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अन्य नीतियों के वादों के साथ विश्वास को बढ़ाना है।

सरकारी आंकड़े जारी किए गए

वित्त वर्ष 2025 में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 5.9 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों से यह पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में मामूली रूप से घटकर 3 प्रतिशत रह गई। यह एक साल पहले इसी महीने में 5.9 प्रतिशत थी। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर फरवरी के 2.7 प्रतिशत से मामूली बढ़कर मार्च 2025 में तीन प्रतिशत हो गयी। सोमवार को इससे जुड़े आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। हालांकि, सालाना आधार पर मार्च में वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के 5.5 प्रतिशत से कम रही। इसका मुख्य कारण विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों का खराब प्रदर्शन रहा।

सरकार ने इस महीने की शुरुआत में जारी 2.9 प्रतिशत के अनंतिम अनुमान से फरवरी 2025 के लिए औद्योगिक विकास के आंकड़े को भी संशोधित कर 2.7 प्रतिशत कर दिया। आंकड़ों से पता चलता है कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया कारखाना उत्पादन मार्च 2024 में 5.5 प्रतिशत बढ़ा था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों से यह भी पता चला है कि विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि मार्च 2025 में मामूली रूप से घटकर 3 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 5.9 प्रतिशत थी।

खनन उत्पादन की वृद्धि दर एक वर्ष पूर्व के 1.3 प्रतिशत से घटकर 0.4 प्रतिशत रह गई। मार्च 2025 में बिजली उत्पादन भी घटकर 6.3 प्रतिशत रह गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह 8.6 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2024-25 में आईआईपी में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह आंकड़ा एक वर्ष पहले दर्ज 5.9 प्रतिशत से कम है।

व्यापार प्रतिबंधों के बाद भी लेन-देन

भारत से सालाना 10 अरब डॉलर का माल जा रहा पाक

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है। व्यापार प्रतिबंधों के बावजूद भारत से हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का माल दुबई, सिंगापुर और कोलंबो जैसे बंदरगाहों के जरिये अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पहुंच रहा है। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमलों के बाद लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के मद्देनजर आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक नोट में कहा, भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर सामान भेजती हैं। वहां एक स्वतंत्र कंपनी खेप को उतारती है और उन्हें बॉन्डेड गोदामों में रखती है। वहां ट्रांजिट के दौरान शुल्क का भुगतान किए बिना माल को रखा जा सकता है।

थिंक टैंक ने कहा, ट्रांजिट के बाद गोदामों में रखे गए माल के लेबल और दस्तावेजों को मूल देश (ओरिजिन कंट्री) से अलग दिखाने के लिए संशोधित किया जाता। ऐसे में लगता है कि माल किसी तीसरे देश से आ रहा है और फिर उसे ऊंची कीमतों पर बेचा जाता है।

इस तरीके से कंपनियों को व्यापार प्रतिबंधों को दरकिनार करने और तीसरे देश के रास्ते से ऊंची कीमतों पर माल बेचने में मदद मिलती है। यह तरीका जांच से बचने में भी सहायक है, क्योंकि ऐसा लगता है कि व्यापार अन्य देशों से किया जा रहा है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, व्यापार का यह तरीका हमेशा अवैध नहीं होता, लेकिन गुमराह करने जैसा है। इससे पता चलता है कि व्यापार के लिए कैसे रचनात्मक तरीके खोजे जाते हैं। कई बार उनकी चाल सरकारों की प्रतिक्रिया से भी तेज होती है।

ऐसे समझें व्यापार के इस तरीके का गणित: जीटीआरआई के नोट में उदाहरण के जरिये उत्पादों के लेबल को बदलकर ऊंची कीमतों पर बेचने का गणित बताया गया है।

संक्षिप्त समाचार

निगम के डंपर ने 6 साल की बच्ची को रौंदा, मौके पर ही मौत

इंदौर। घर के बाहर साइकिल चला रही 6 साल की निहारिका पुत्री सोनू बलोने को नगर निगम के डंपर ने रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर का ड्राइवर और अन्य कर्मचारी कूदकर फरार हो गए। वहीं गुस्साए लोगों ने डंपर में तोड़फोड़ कर दी। घटना इंदौर के आजाद नगर में मूसाखेड़ी चौराहे के पास मंगलवार सुबह घटी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डंपर जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। बच्ची के बड़े पिता ने बताया कि निहारिका घर के बाहर साइकिल चला रही थी, तभी नगर निगम का डंपर तेजी से आया। बच्ची घबराकर साइकिल सहित गिर पड़ी और डंपर के टायर की चपेट में आ गई। टायर उसके ऊपर से निकल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आजाद नगर पुलिस ने बताया कि डंपर को जब्त कर लिया और ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बताया जाता है कि डिवाइडर का काम चलने के कारण रोड संकरी हो गई है। इसकी कारण यह हादसा हुआ। निहारिका का एक बड़ा भाई है और पिता गैस सिलेंडर की गाड़ी चलाते हैं।

पारिवारिक विवाद में साढू ने किया हमला, उपचार के दौरान अस्पताल में तोड़ा दम

इंदौर। पारिवारिक विवाद के चलते आरोपी नरू उर्फ नरेंद्र और उसके पुत्र एवं साथियों ने मिलकर रेतीमंडी झुग्गी बस्ती निवासी फौजी पुत्र गब्बूजी की हत्या कर दी। वहीं दो लोग घायल हैं। पुलिस ने चार लोगों को आरोपी बनाया है और मामले में जांच शुरू कर दी है। घटना सोमवार रात की है। आरोपी नरू मृतक फौजी का सगा साढू भाई है। विवाद की जड़ में 11 दिन पहले हुआ पारिवारिक विवाद है। 11 दिन पहले फौजी के पड़ोसी सूरज के घर जलवा पूजा थी, उसमें फौजी और नरू भी पहुंचे थे। यहां सभी डांस कर रहे थे। इस दौरान दोनों में कहासुनी हो गई। फौजी ने नरू के गले पर चाकू रख दिया था। घर के बड़ों और पड़ोसियों ने मिलकर मामला शांत करा दिया। फौजी की मां सुमन खाना बनाने का काम करती है, सोमवार रात वह खाना लेकर लौटी और रात 1 बजे फौजी उसकी मां सुमन और पत्नी मोना के साथ घर में खाना खा रहा था, तभी नरू पुत्र सीताराम वास्कले निवासी अहीरखेड़ी, कन्नू पुत्र आशाराम वास्कले, पवन पुत्र राजू रावत और एक अन्य पहुंचे और विवाद शुरू हो गया।

ग्वालियर में भारतीय स्टेट बैंक की ब्रांच में चोरी

ग्वालियर। ग्वालियर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रतवाई बिजौली ब्रांच में एक नकाबपोश चोर बैंक के पीछे से खिड़की तोड़कर अंदर दाखिल होता है। स्ट्रांग रूम का चैनल गेट तोड़कर अंदर पहुंचता है और यहां बॉक्स में रखे 112 कस्टमर के 734 PDC (पोस्ट डेटेट चेक) चोरी कर ले जाता है। चोर एक कस्टमर के 6 पीडी चेक का लिफाफा वहीं छोड़ गया है। वारदात 27-28 अप्रैल की दरमियानी रात 12 से 1 बजे के बीच की है। चोरी का पता सोमवार को बैंक खुलने पर चला। बैंक प्रबंधन ने बिजौली थाना पुलिस को मामले की सूचना दी है। ब्रांच मैनेजर नीरज ढयोड़ी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जांच में जुट गई है।

क्रिकेट मैच के जश्न में कॉन्स्टेबल की हार्टअटैक से मौत

जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस में पदस्थ 28 साल के कॉन्स्टेबल सौरभ शुक्ला की हार्ट अटैक से मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब वे क्रिकेट मैच जीतने के बाद अपने दोस्तों के साथ जश्न मना रहे थे। अचानक उनके सीने में दर्द हुआ, तबीयत खराब होने लगी और वे गिर पड़े। साथी तुरंत उन्हें जबलपुर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सौरभ शुक्ला नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव के मुनकवारा गांव के रहने वाले थे। वे फिलहाल जबलपुर के लार्डगंज थाने में तैनात थे। सौरभ की पुलिस में भर्ती 2018 में हुई थी। रविवार रात सौरभ अपनी टीम के साथ सुनवारा गांव में क्रिकेट मैच खेलने पहुंचे थे। मैच जीतने के बाद जश्न मनाते समय अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। मैदान में खुशी का माहौल था, जो देखते ही देखते मातम में बदल गया। 20 अप्रैल को सौरभ की छोटी बहन रानू का विवाह हुआ था। दो दिन पहले ही वे अपनी बहन को ससुराल से विदा कराकर घर लाए थे, जिससे परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन अब सौरभ की अचानक मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। सौरभ अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। बेटे की मौत से पिता कृष्ण कुमार, मां विजयलक्ष्मी और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है। डॉक्टरों की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक सौरभ की मौत कार्डियक अरेस्ट की वजह से हुई है।

सीहोर जिले में डेंगू के चार मरीज मिले

मलेरिया यूनिट में हड़कंप, घरों में सर्वे करने पहुंची टीम

सीहोर ■ निसं

बारिश से पहले ही सीहोर जिले में डेंगू के चार मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। संक्रमित क्षेत्रों में लार्वा नष्ट कर फॉगिंग व स्प्रे किया गया। मलेरिया यूनिट ने सर्वे कर एहतियाती कदम उठाए हैं। फिलहाल मरीजों की हालत ठीक बताई जा रही है। बारिश के मौसम के पहले ही जिले में डेंगू ने दस्तक दे दी। इससे स्वास्थ्य विभाग की मलेरिया यूनिट में हड़कंप की स्थिति बन गई है। यूनिट ने आनन-फानन में मरीज मिलने वाले एरिया में सर्वे किया तो कई घर, कंटेनर में लार्वा मिला है, जिसे मौके पर नष्ट कर फागिंग मशीन से धुआं करने के साथ दवा का स्प्रे किया है। जिले में सीहोर शहरी क्षेत्र, इछावर, बुधनी, श्यामपुर में एक साथ चार मरीज मिले हैं।

आमतौर पर डेंगू के मरीज मिलने की शुरुआत जून में बारिश का मौसम शुरू होने के बाद जुलाई से होती है, लेकिन इस बार समय से पहले मिले मरीज ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। जो मरीज पॉजीटिव मिले उनकी हालत अभी ठीक है, लेकिन ऐहतियात के तौर पर उनको और परिवार के लोगों को पूरी सतर्कता बरतने की सलाह दी है। ताकि बीमारी को फैलने से रोका जा सके। राहत की बात यह है कि इस साल अब तक चिकनगुनिया, मलेरिया के मरीज नहीं मिले हैं। कुछ दिनों पहले मलेरिया का एक संदिग्ध मरीज जरूर मिला था, लेकिन बाद में जांच हुई तो उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई। पिछले साल की बात की जाए तो पिछले साल मलेरिया के 21, डेंगू के 79 और चिकनगुनिया के 17 मरीज मिले थे।

रोकथाम के लिए धुआं और स्प्रे कराया जा रहा

मलेरिया यूनिट का जिले के शहरों से लेकर गांवों में सर्वे कार्य निरंतर जारी है। जनवरी से मार्च तक 228 गांवों के 6 हजार 668 घरों के किए सर्वे में 185 घर में लार्वा मिला है। इसी तरह 48 हजार 385 कंटेनर की जांच हुई तो 148 में लार्वा मिला, जिसे मौके पर नष्ट कर दिया है। वही रोकथाम के लिए धुआं और स्प्रे भी कराया गया है। जिला मलेरिया अधिकारी क्षमा बर्वे का कहना है कि जिले में डेंगू के चार मरीज मिले हैं। जिस जगह यह मरीज मिले वहां सर्वे कर लिया गया है। वही अन्य एक्टिविटी भी लगातार की जा रही है। जिससे कि इसका प्रकोप नहीं बढ़े।

इन बातों का रखें ध्यान

डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से बचाव के लिए सावधानी बरतना बहुत जरूरी है। सबसे पहले तो यही कि स्वच्छता पर ध्यान दें और अपने घर के आसपास, कंटेनर, टायर आदि में लंबे समय तक पानी जमा नहीं होने दें। इसी गंदे पानी में लार्वा जनित मच्छर पनपता और काटकर बीमार करता है। वहीं दूसरा रात को सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। बीमार होने पर लेटलतीफी नहीं करते हुए सीधे अस्पताल में जाकर इलाज कराएं। कोई आसपास भी लंबे समय तक बीमार है तो उसकी स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को सूचना दें, जिससे कि समय से सही उपचार शुरू हो सकें।

संस्कृत बोर्ड से उत्तीर्ण छात्रों को दे रहे प्रवेश

हाईकोर्ट ने आदेश पर रोक लगाते हुए दिए निर्देश

जबलपुर ■ निसं

मप्र हाईकोर्ट ने संस्कृत बोर्ड के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगाई, जिसमें अन्य बोर्ड से पढ़े छात्रों को 10वीं-12वीं में प्रवेश से वंचित किया गया था। कोर्ट ने परीक्षा फार्म स्वीकारने के निर्देश दिए और अनावेदकों से जवाब मांगा है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान (पूर्व में संस्कृत बोर्ड) के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें यह शर्त जोड़ी गई थी कि केवल उन्हीं छात्रों को कक्षा 10वीं और 12वीं में प्रवेश मिलेगा जिन्होंने कक्षा 9वीं अथवा 11वीं संस्कृत बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों से उत्तीर्ण की हो। आदेश के विरुद्ध आधा दर्जन स्कूलों द्वारा याचिका दायर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि इस संशोधित प्रवेश नीति के कारण मध्य प्रदेश बोर्ड या सीबीएसई से अध्ययनरत छात्रों के परीक्षा फार्म अस्वीकार किए जा रहे हैं, जिससे वे कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं से वंचित हो रहे हैं।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृत रूपराह ने दलील दी कि यह निर्णय न केवल छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है, बल्कि समानता के अधिकार का उल्लंघन भी है। याचिका में यह भी कहा गया कि मप्र बोर्ड, सीबीएसई और संस्कृत बोर्ड सभी सरकारी संस्थाएं हैं, इसलिए उनके बीच इस प्रकार का भेदभाव असंवैधानिक और मनमाना है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने छात्रों को राहत देते हुए संस्कृत बोर्ड के संशोधित आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी और बोर्ड को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता छात्रों के परीक्षा फॉर्म स्वीकार किए जाएं और उन्हें आगामी परीक्षाओं में सम्मिलित किया जाए। कोर्ट ने अनावेदकों को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने को कहा है।

10 साल के छात्र की सुसाइड में हैरान करने वाला खुलासा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट देख पुलिस भी चौंकी

टीकमगढ़ ■ निसं

टीकमगढ़ में 10 वर्षीय बालक की फांसी से मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि उसके साथ लंबे समय से अप्राकृतिक कृत्य हो रहा था। इसी से तंग आकर उसने आत्महत्या की। पुलिस ने मामला संदिग्ध मानते हुए पॉक्सो सहित गंभीर धाराएं जोड़कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

टीकमगढ़ में 10 वर्षीय बालक के फांसी लगाने के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद पुलिस ने धाराएं बढ़ाई हैं। रिपोर्ट में बालक के साथ अप्राकृतिक कृत्य होने की बात सामने आई है।

बता दें कि टीकमगढ़ शहर के सिविल लाइन में स्थित एक कॉलोनी में 19 अप्रैल शाम करीब चार बजे 10 वर्षीय छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए थे, जहां पर पंचनामा की कार्रवाई करने के बाद पोस्टमार्टम हुआ था। इसकी रिपोर्ट आ गई है और रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि फांसी लगाने से पहले 10 वर्ष के बालक के साथ अप्राकृतिक कृत्य हुआ है और यह कई दिनों से हो रहा था। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर दीपक ओझा का कहना है कि बालक के साथ यह अप्राकृतिक कृत्य कई महीनों से लगातार हो रहा था, जिससे तंग आकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने बताया कि बच्चे की पेंट में एक टॉफी मिली थी।

कोतवाली पुलिस का कहना है कि पहले इस घटना में मर्ग कायम किया गया था और कमरे को सील कर दिया गया था, क्योंकि शुरू से ही यह पूरा मामला संदिग्ध था। क्योंकि 10 वर्षीय बालक द्वारा आत्महत्या कर लेना अलग तरह का मामला था। पुलिस का कहना है कि इस मामले में पॉक्सो सहित अन्य धाराएं बढ़ा दी गई हैं और आरोपी की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस हिसाब से पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई है, पुलिस उस हिसाब से आगे की कार्रवाई कर रही है और आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

पुरानी दोस्ती का फायदा उठा रहा था युवक

शादीशुदा महिला को फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा था, पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाजापुर ■ निसं

शाजापुर कोतवाली पुलिस ने एक युवक के खिलाफ शादीशुदा महिला को परेशान करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी शुभम जोशी आदर्श कालोनी शाजापुर का रहने वाला है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने मंगलवार सुबह 11 बजे जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी की अपनी कॉलोनी में रहने वाली 24 वर्षीय युवती से दोस्ती थी। दोनों ने एक-दूसरे के साथ फोटो खिंचवाए थे। सितंबर 2024 में युवती की सगाई हुई। इसके बाद से आरोपी उसे परेशान करने लगा।

अक्टूबर 2024 में शुभम ने युवती का हाथ पकड़कर शादी की बात की। युवती के मना करने पर वह चला गया। 13 दिसंबर को युवती की शादी हुई। शादी से पहले शुभम ने फोटो वायरल करने की धमकी दी। शादी के बाद आरोपी ने युवती के पति को फोन कर परेशान किया। उसने पति से कहा कि युवती के साथ उसका अफेयर था और फोटो वायरल करने की धमकी दी। 27 अप्रैल 2025 को जब युवती अपने मायके आई, तब शुभम ने उसे फिर धमकी दी। उसने कहा कि अगर पति को तलाक नहीं दिया तो फोटो वायरल कर देगा। परेशान होकर युवती ने अपने पिता के साथ कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं

मंडला ■ निसं

मंडला जिले में संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की सात दिन से जारी हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हैं। टीकाकरण और गर्भवती महिलाओं की जांच ठप हो गई है। 700 से अधिक कर्मचारी कार्यविरत हैं। आशा-उषा संघ ने समर्थन दिया है। शासन से शीघ्र समाधान की मांग की गई है। मंडला जिले में संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार को सातवें दिन भी जारी रही। लगातार जारी इस आंदोलन ने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को संकट में डाल दिया है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

22 अप्रैल से शुरू हुई इस हड़ताल में जिलेभर के 700 से अधिक संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी शामिल हैं। आरबीएसके टीम, नर्सिंग ऑफिसर, सीएचओ, बीसीएम, बीपीएम, लेखापाल, ऑपरेटर, एएनएम, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, एसटीएस और एसटीएलएस जैसे महत्वपूर्ण पदों के कर्मचारी कार्य से विरत हैं। इस व्यापक हड़ताल का सीधा असर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल तक की सेवाओं पर पड़ा है। विशेष रूप से बच्चों के टीकाकरण और गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच बुरी तरह प्रभावित हुई है। टीकाकरण अभियान की रफ्तार थम गई है और स्वास्थ्य केंद्रों से निराश होकर महिलाओं को बिना जांच के लौटना पड़ रहा है।

आशा-उषा कार्यकर्ता संघ के पदाधिकारी भी धरना स्थल पर पहुंचे और हड़ताली कर्मचारियों को समर्थन दिया। संघ की अध्यक्ष राधा शर्मा ने संविदा कर्मियों की मांगों को जायज बताते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने इन मांगों को मंजूरी दी थी, लेकिन एनएचएम द्वारा की गई वेतन कटौती और अन्य निर्णय गलत हैं। उन्होंने शासन से तत्काल सकारात्मक पहल करते हुए मांगों के निराकरण की अपील की।

कंपनी मालिक ने पूर्व डायरेक्टर से किया रेप

ग्वालियर। नोएडा की एक कंपनी के मालिक ने कंपनी की पूर्व डायरेक्टर युवती के घर गिरवाई (ग्वालियर) पहुंचकर रेप किया। विरोध करने पर युवती को एक अन्य कंपनी में बड़ी पोस्ट और अच्छी सैलरी दिलाने का लालच दिया। बाद में उसने पैंतरा बदला और ड्ग के जरिए अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर युवती को ब्लैकमेल करने लगा। तंग आ चुकी पीड़िता ने सोमवार शाम को गिरवाई थाना पहुंकर एफआईआर दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1 भदभदा रोड भोपाल
क्र./583/तशा/प.यं./2025 दिनांक : 24.04.2025
प्रेस विज्ञप्ति
इस कार्यालय द्वारा जिला गुना में निर्माण/मरम्मत इत्यादि कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_418691_1, 2025_MPPHC_418694_1, 2025_MPPHC_418695_1, दिनांक 13.05.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/119794/2025 परियोजना यंत्री

आधार अपडेशन सेंटरो की कमी बनी लोगों की परेशानी का सबब

बुरहानपुर ■ निसं

इन दिनों शहर में आधार कार्ड अपडेट को लेकर आमजन खासे परेशान नजर आ रहे हैं। आधार अपडेशन करने के लिए लोगों को सुबह 6 बजे से ही सेंटरों के बाहर कतार में खड़े होना पड़ता है बच्चों के स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया चालू होने के कारण आधार में नाम, जन्मतिथि व बायोमैट्रिक डाटा अपडेट की आवश्यकता बढ़ गई है। लेकिन शहर में पर्याप्त आधार अपडेशन सेंटर न होने के कारण लोगों को घंटों लंबी लाइन में खड़ा रहना पड़ता है और कई बार विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। शहर की जनसंख्या तीन लाख से अधिक है, इसके बावजूद आधार अपडेट की सुविधा कुछ ही केंद्रों पर सीमित है। खासकर बच्चों के बायोमैट्रिक डाटा अपडेट के लिए माता-पिता को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। कुछ केंद्रों पर तो एक दिन में केवल 20-25 ही आवेदन लिए जाते हैं, जिससे सैकड़ों लोग लौटने को मजबूर हो जाते हैं। इस असुविधा के चलते अभिभावकों के साथ-साथ बुजुर्ग और सामान्य नागरिक भी काफी परेशान हैं कई बार तकनीकी खराबी या इंटरनेट की समस्या के कारण काम अधूरा रह जाता है। लोगोक्रं की मांग है कि प्रशासन को तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त आधार अपडेशन सेंटर खोलने चाहिए, ताकि जनसामान्य को राहत मिल सके।

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल
वीर सावरकर जोन क्र.-04 (मंगलवारा)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भोपाल जोन क्र.04 के वार्ड क्र.-17 में स्थित वर्गीकृत बाजार न्यू कबाडखाना के भूखण्ड क्र., 417 का नामान्तरण किये जाने हेतु विज्ञप्ति प्रकाशन किया जाना है जिनके नामों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	जोन क्र.	वार्ड क्र.	आवंटी का नाम	स्थाना एवं भूखंड	आकार	नामांतरण हेतु प्रस्तुत आवेदक का नाम	नामांतरण का आधार
1	4	17	श्री मो युनूस आत्मज श्री नत्थे खान	भूखण्ड क्र.-417 वर्गीकृत बाजार	20x40=800 वर्गफुट	श्री मो लईक आत्मज स्व श्री मो युनूस	आवेदक पत्र शपथ पत्र एवं हक त्याग पत्र के आधार पर

उपरोक्त भूखंड के नामांतरण पर किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ती हो तो, सूचना पत्र के 15 दिवस के भीतर जोन कार्यालय क्र. 04 वार्ड क्र.-17 के कार्यालय में शपथ पत्र मय साक्ष्य के प्रस्तुत करें। नियत समयावधि में यदि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह माना जावेगा कि किसी को कोई आपत्ति नही है और प्रकरण में विधिवत नामांतरण हेतु कार्यवाही कर दी जावेगी।

जोनल अधिकारी
जोन क्र.04
नगर पालिक निगम, भोपाल

सू.क्र. 1703/025/026

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आये और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिकअमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

अक्षय तृतीया को लेकर शहर में भारी उत्साह, कई स्थानों पर निकलेगी शोभा यात्रा

परशुराम जन्मोत्सव | कल वैवाहिक बंधन में बंधेंगे सैकड़ों जोड़े

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अक्षय तृतीया को लेकर राजधानी में उत्साह का वातावरण है, परशुराम जन्मोत्सव के मद्देनजर कई स्थानों से शोभायात्रा निकाली जाएगी, दर्जनों कंवारे भी वैवाहिक बंध में बंधेंगे। समूहिक विवाह में नबालिकों की शादी न हो सके इस को लेकर महिला बाल विकास पूरी तरह सर्तक हुआ है।

ज्योतिष शास्त्र में गजकेसरी राजयोग को सबसे शक्तिशाली और शुभ योग माना जाता है। चंद्रमा पर गुरु की युति होने पर इस योग का निर्माण होता है। 29 अप्रैल 2025 को चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में प्रवेश करेंगे, जहां पहले से ही गुरु हैं।

अक्षय तृतीया पर बन रहे शुभ योगों से वृषभ, मीन और मिथुन राशि वालों को करियर, धन और सुख-समृद्धि में लाभ मिलेगा। मां लक्ष्मी की कृपा से नए अवसर, निवेश में सफलता और पारिवारिक सुख की संभावनाएं बन रही हैं।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया का खास महत्व है। इसे साल के सबसे बड़े अबूझ मुहूर्तों में गिना जाता है, यानी इस दिन किसी भी शुभ काम के लिए मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती। मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर किए गए कामों में सफलता और समृद्धि जरूर मिलती है। इस दिन मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की विधिवत पूजा की जाती है। साथ ही, सोना-चांदी या कीमती धातुएं खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस साल अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को पड़ रही है, और खास बात ये है कि इस दिन कई अत्यंत शुभ और दुर्लभ राजयोगों का भी निर्माण हो रहा है।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, इस बार गजकेसरी योग, लक्ष्मी नारायण योग और मालव्य राजयोग जैसे शुभ संयोग बन रहे हैं। इन योगों के प्रभाव से कुछ राशियों के जातकों को विशेष लाभ मिलने की संभावना है। मां लक्ष्मी की कृपा इन राशि वालों पर विशेष रूप से बरस सकती है, जिससे उन्हें करियर, धन, और व्यक्तिगत जीवन में बड़ी सफलता मिल सकती है।

ग्रहों का विशेष संयोग बन रहा

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल अक्षय तृतीया के दिन ग्रहों का विशेष संयोग बन रहा है. मीन राशि में शनि, बुध, शुक्र और राहु एक साथ विराजमान रहेंगे, जिससे चतुर्ग्रही योग का निर्माण होगा. इसी के साथ मालव्य योग और लक्ष्मी नारायण योग भी बन रहे हैं, जो अत्यंत शुभ फलदायक माने जाते हैं. इसके अलावा चंद्रमा इस दिन वृषभ राशि में गुरु के साथ स्थित रहेगा, जिस वजह से गजकेसरी राजयोग का निर्माण हो रहा है. यही नहीं, इस पावन तिथि पर रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग जैसे अत्यंत शुभ योग भी बन रहे हैं, जो इस दिन को और भी अधिक फलदायक और विशेष बना रहे हैं.

एक पेड़ लाडली लक्ष्मी के नाम अभियान में होगा पौधारोपण

2 मई को सभी जिलों में मनेगा लाडली लक्ष्मी उत्सव

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना अन्तर्गत 2 मई 2025 को प्रदेश में %लाडली लक्ष्मी उत्सव% जिला, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत पर उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। इसमें स्थानीय प्रतिनिधि, लाड़ली बालिकाएं, उनके अभिभावक, लाडली क्लब की अध्यक्ष और सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाडली लक्ष्मी योजना मध्यप्रदेश सरकार की बेटियों के प्रति समर्पित सोच का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य है कि हर बेटी को सम्मान, शिक्षा और आत्म-निर्भरता के अवसर प्राप्त हों। लाडली लक्ष्मी उत्सव एक नई ऊर्जा और विश्वास का संचार करेगा। उन्होंने प्रत्येक जिला और निकाय स्तर पर कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच और सशक्तिकरण का वातावरण तैयार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडली लक्ष्मी उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति साझा संकल्प है।

लाडली लक्ष्मी उत्सव का संचालन स्वयं लाडली बालिकाओं द्वारा किया जाएगा। इसमें कन्या-पूजन, दीप प्रज्ज्वलन, लाडली बालिकाओं के प्रेरक उद्बोधन और अपराजिता कार्यक्रम अंतगर्त मार्शल आर्ट का प्रदर्शन जैसे विशेष कार्यक्रम शामिल है। इस उत्सव के जरिये जिला, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक पेड़ लाडली लक्ष्मी के नाम अभियान में जन-प्रतिनिधियों और बालिकाओं द्वारा पौध-रोपण भी किया जाएगा। साथ ही लाडली बालिकाओं को आश्वासन प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में लाडली क्लब की सदस्य बालिकाएं अपने अनुभव भी साझा करेंगी।

पूरी तरह जलकर खाक

कमलनाथ के बंगले के पास खड़ी थार कार में लगी भीषण आग

- श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र में हुई घटना, रेस्क्यू टीम और फायर ब्रिगेड की दो दमकल गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक थार कार में भीषण आग लग गई। यह घटना पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बंगले से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई। आग लगने से कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। बताया जाता है कि श्यामला हिल्स पर मौजूद पुलिस अमले की तत्परता से बड़ी घटना टल गयी और आग पर काबू पा लिया गया। वरना यहां अतिविशिष्ट क्षेत्र होने से लक्जरी गाड़ियों का मेला लगा रहता है। कारण, मुख्यमंत्री निवास सहित कई अन्य मंत्रियों के बंगले भी यहां हैं।

घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम और फायर ब्रिगेड की दो दमकल गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। हालांकि कुछ समय में ही आग पर काबू पा लिया था, लेकिन कार को भारी नुकसान पहुंच चुका है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

भोपाल। स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महापौर मालती राय ने हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर लाभार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया। साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर सभी समस्याओं को हल करने हेतु आदेशित किया।

बदमाश और उसके साथी की तलाश में दबिश, कई वाहन फोड़े

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शाहपुरा में बीच सड़क निगरानीशुदा बदमाश का उत्पात, शाहपुरा में बीच सड़क पर निगरानीशुदा बदमाश और उसके साथी ने जमकर उत्पात मचाया। सड़क से गुजरने वाले वाहनों में तोड़फोड़ की। बदमाश हाथ में एक पाइपनुमा डंडा पकड़ा था। उसने ई-रिक्शा का कांच फोड़ा और चालक से मारपीट की। घटना सोमवार सुबह करीब 8 बजे की बताई जा रही है। पुलिस ने बदमाश सूरज और उसके साथी पर मामला दर्ज कर लिया है। एसआई हरीश गुर्जर ने बताया सूरज हबीबगंज थाने का निगरानीशुदा बदमाश है। उस पर 25 से ज्यादा आपराधिक मामले हैं। सोमवार सुबह नशे में धुत होकर सब्जी मंडी के पास पहुंचे बदमाश सूरज ने उत्पात शुरू कर दिया। वह हाथ में डंडा लिया था। रास्ते से गुजरने वाले हर वाहन पर उसने डंडा मारा।

भोपाल के लव जिहाद पर बड़ा खुलासा

हिंदू नाम से अकाउंट बनाकर लड़कियों को बनाता था शिकार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल के लव जिहाद और रेप के मामले में आरोपी साहिल ने सोशल मीडिया पर निक्की नाम से अकाउंट बनाया था। वह हिंदू नाम से फेक प्रोफाइल बनाता था और हिंदू लड़कियों को अपना शिकार बनाता था। आरोपी धीरे-धीरे उनसे नजदीकियां बढ़ाता और फिर उनसे हवस की प्यास बुझाता था।

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है। गिरफ्तार किए गए अली ने मोबाइल से सभी डाटा डिलीट कर दिए हैं। पुलिस ने उसके

फोन का डाटा रिकवर करने के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। जल्द ही एसआईओ की टीम इंदौर जाएगी। जांच में यह भी सामने आया है कि अली ने फरहान से ब्लैकमेलिंग का तरीका सीखा था। इंदौर में फरहान ने एक पीड़िता के साथ जबरदस्ती की थी।

लव जिहाद के मामले में अब आरोपियों के अलावा उनके परिजनों की भूमिका की भी जांच होगी। बता दें कि मामले से जुड़े एक आरोपी हामिद की मौत हो चुकी है। गौरतलब है कि कल सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया था।

इस दौरान वकीलों ने सभी की जमकर पिटाई कर दी थी और उनके कपड़े फाड़ दिए थे। इस मारपीट के दौरान एक पुलिसकर्मी चोटिल हो गया था।

साढ़े 3 साल बाद फार्मासिस्ट को किया दोषमुक्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

फार्मासिस्ट और भारतीय मजदूर संघ से जुड़े सुरेंद्र सिंह कौरव को साढ़े तीन साल बाद न्याय मिला। हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता शशांक उपाध्याय ने पैरवी की। सुनवाई में हाईकोर्ट जबलपुर ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने आरोप तय करते समय महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी की थी। कोर्ट ने कहा कि मात्र एक ज्ञापन के आधार पर किसी को फंसाना न्यायसंगत नहीं है। अंततः हाईकोर्ट ने ने सुरेंद्र सिंह के खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण और निचली अदालतों के सभी आदेश निरस्त कर दिए। उन्हें सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया।

दरअसल, कटारा हिल्स थाना में वर्ष 2018 में सुरेंद्र सिंह कौरव के खिलाफ गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4/9 ब और धारा 429 भादंवि के तहत अपराध क्रमांक 64/2018 दर्ज किया गया था। सुरेंद्र सिंह जयप्रकाश चिकित्सालय भोपाल में फार्मासिस्ट रहे हैं। वे भारतीय मजदूर संघ से जुड़े राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे हैं। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने 17 जुलाई 2018 को सुरेंद्र सिंह को अग्रिम जमानत दे दी थी। इसके बाद कुछ कांग्रेस नेताओं ने उनके भामस से जुड़े होने के कारण इस मामले को तूल दिया। साढ़े तीन साल बाद तत्कालीन कांग्रेस विधायक आरिफ अकील ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न लगाया।

अमृत दर्शन
आवश्यकता है
एक पढ़े लिखे अनुभवी ड्रायवर की। पार्ट टाईम, अच्छा वेतन
तुरंत संपर्क करें
मो.: 9827054436

समिति के सदस्यों और अधिकारियों के साथ राज्यमंत्री ने की बैठक

भू-माफिया के विरूद्ध सख्त कार्रवाई होगी: मंत्री गौर

- टी.एण्ड.सी.पी, सहकारिता और नगर निगम के अधिकारियों को दिये निर्देश

सर्वोदय और जन सहयोग समिति के वास्तविक सदस्यों के हितों की होगी रक्षा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने सर्वोदय और जन सहयोग समिति के वास्तविक सदस्यों को आश्स्वत किया कि उन्हें भू-माफियों से डरने की आवश्यकता नहीं है। उनके हितों की पूरी-पूरी सुरक्षा की जायेगी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने सहकारिता, नगर निगम और टी.एण्ड.सी.पी. के अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर निवास कार्यालय पर जन सहयोग और सर्वोदय समिति के सदस्यो के साथ उनकी समस्या पर चर्चा कर रही थी।

खजूरी कला, भेल स्थित सर्वोदय और जन सहयोग समिति के सदस्यों ने राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर को उनकी समस्या से अवगत कराया। सदस्यों ने बताया कि 1980 के दशक में पहली बार बनी सर्वोदय समिति में उनके द्वारा लिए गये भूखण्ड का विकास शुल्क दिया गया, इसके बाद जन सहयोग समिति ने विकास शुल्क लिया और अब एक अन्य भू-माफिया उनके भूखण्डों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। भू-माफिया द्वारा कॉलोनी में पार्क और अन्य कार्यो के लिए सुरक्षित भूमि को भूखण्डों के रूप में परिवर्तित कर हेरा-फेरी की जा रही है।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने समिति के सदस्यों की बातों को गंभीरता से सुना और कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होने कहां कि नगर निगम के द्वारा विकास अनुमति नहीं दिये जाने के बावजूद जन सहयोग एवं सर्वोदय समिति में कोई व्यक्ति रोड एवं नाली का निर्माण कैसे कर सकता है। इसके साथ ही टी.एण्ड.सी.पी. के द्वारा पार्क आदि के लिए आरक्षित भूखण्ड को आवासिय भूखण्ड के रूप में कैसे दे सकता है। इस संबंध में टी.एण्ड.सी.पी., नगर निगम एवं सहकारिता विभाग तुरंत कार्यवाही करे और इस कॉलोनी में की जा रही अवैध गतिविधियों को तुरंत रोके। उन्होंने कहां कि सर्वोदय और जन सहयोग समिति के वास्तविक सदस्यों के हितों की पूरी-पूरी रक्षा की जाये। बैठक में एस.डी.एम. एल.के. खरे, रविश श्रीवास्तव, उप सहकारिता आयुक्त आर.सी. विश्वकर्मा, उप आयुक्त नगर निगम और टी.एण्ड.सी.पी. से सुनीता सिंह एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

अमृत दर्शन
तत्काल आवश्यकता है
एक पढ़े लिखे युवक/युवती की जिसे डीटीपी का पूर्ण ज्ञान हो। अच्छा वेतन
तुरंत संपर्क करें
मो.: 9827054436

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।